

खबर संक्षेप

राधाकृष्णन 19 -20 को उत्तराखंड जाएंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 19 और 20 अगस्त 2026 को उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वे बुधवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) देहरादून का दौरा करेंगे। वहां वे 2025-27 बैच के आईएफएएस के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करेंगे। 20 को मसूरी में आईएएस प्रोफेशनल कोर्स के द्वितीय चरण के समापन करेंगे।

फरीदकोट डीसी कार्यालय को उड़ाने की धमकी

फरीदकोट। स्थानीय मिनी सचिवालय स्थित डिप्टी कमिश्नर कार्यालय को मंगलवार दोपहर ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप है। डीएसपी तरलोचन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तुरंत डिप्टी कमिश्नर कार्यालय परिसर में सर्च ऑपरेशन शुरू किया।खालिस्तान नेशनल आर्मी के नाम से ईमेल भेजकर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद विफल रही बात, हम नहीं देंगे मस्जिद के लिए एक इंच भूमि



एजेंसी ►► मथुरा

श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही मस्जिद ईदगाह विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चल रही सुलह-समझौते की कोशिशें एक बार फिर नाकाम साबित हुई हैं। मथुरा के सुलह समझौता केंद्र में मंगलवार को होने वाली दूसरी वार्ता मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति के कारण विफल हो गई। मुस्लिम पक्ष के न आने पर कोर्ट ने पत्रावली पर सुनवाई स्थगित कर दी है। अब इस अहम विवाद की सुनवाई सीधे सुप्रीम कोर्ट में 21, 22 और 23 अगस्त को की जाएगी। अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने कड़ा रुख अपनाया।

उपस्थित नहीं हुआ मुस्लिम पक्ष

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और हिंदू पक्ष के अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मंगलवार को सुलह केंद्र में दूसरी सुनवाई तय थी, लेकिन मुस्लिम पक्ष वहां उपस्थित नहीं हुआ। इससे पहले 7 अगस्त को भी दोनों पक्षों के बीच वार्ता हुई थी, जो पूरी तरह बेनतीजा रही थी।

तेजस्वी यादव पर जीतनराम मांझी का तीखा हमला जुबान फिसलने पर तीखा तंज कसा, रात वाला उतरा नहीं था

एजेंसी ►► पटना

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की जुबान फिसलने पर तीखा तंज कसा है। मांझी ने कहा कि नशा शराब में होता तो नाचती बोलत, तेजस्वी का रात वाला उतरा नहीं था, इसलिए उन्होंने मुझे श्रद्धांजलि दे दी। हिंदुस्तानी आवाग मोर्चा (हम) के सुप्रीमो मांझी ने एक वीडियो भी शेयर किया है। उसमें आरजेडी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव कथित रूप से दशरथ मांझी की जगह मांझी को श्रद्धांजलि देते हुए नजर आ रहे हैं। मांझी ने तेजस्वी यादव पर नशा करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने यादव पर तंज कसते हुए यह भी कहा कि अगर हालात नहीं सुधरें तो आने वाले वक्त में ये जनाब जीते जी अपने पिता लालू यादव और मां राबड़ी देवी को भी श्रद्धांजलि दे देंगे। मांझी ने पोस्ट में कहा कि लगता है बाबू साहब का रात वाला उतरा नहीं था इसलिए मुझे श्रद्धांजलि दे रहे हैं। नशा कुछ भी करा सकता है।

दशरथ की पुण्यतिथि पर समा में बोले थे तेजस्वी

सोमवार को पटना स्थित आरजेडी के कार्यालय में माउटेन मैन दशरथ मांझी की 19वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि समा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को तेजस्वी ने संबोधित किया। इस दौरान उनकी जुबान फिसल गई और श्रद्धांजलि देते हुए गलती से दशरथ मांझी की जगह हम सुप्रीमो जीतनराम मांझी का नाम ले लिया। उसी दौरान बंगल में मौजूद आरजेडी नेताओं ने तेजस्वी को कहा कि वह गलत नाम ले रहे हैं।



एजेंसी ►► नई दिल्ली

प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। याचिका में पेपर लीक में शामिल आरोपियों और उनके परिवार के सदस्यों की

■ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर पर यह कहा

जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने मंगलवार को अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की है।

पेपर लीक की घटनाओं को रोकने की शीर्ष अदालत में सुनवाई

आरोपियों की संपत्ति जब्त करने की मांग

आरोपी परिवारों की संपत्ति का आकलन करें कोर्ट ने केंद्र- राज्य सरकारों से मांगा जवाब



छात्रों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का दावा

याचिका में कहा गया है कि पेपर लीक की घटनाओं को रोकने, उनकी जांच करने और दोषियों पर कार्रवाई करने में बार-बार नाकामी से छात्रों के मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। याचिकाकर्ता ने संविधान के अनुच्छेद 14, 16, 19 और 21 का हवाला दिया है। याचिका के मुताबिक, सरकारों की ओर से पेपर लीक रोकने के लिए कानून बनाए जाने के बावजूद व्यवस्था में अभी भी कई कमियां हैं। इनमें जांच और मुकदमे के लिए निश्चित समय सीमा का अभाव भी शामिल है।

दोषी पाए जाने पर मिलने वाली सजाएं लगातार चलें

याचिका में यह भी मांग की गई है कि पेपर लीक के अपराध में दोषी पाए जाने पर मिलने वाली सजाएं लगातार चलें, यानी एक के बाद एक लागू हों, न कि एक साथ। याचिकाकर्ता के मुताबिक इससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है।

भीड़ को नियंत्रित करने की थी फायरिंग

हलफनामे में जानकारी दी गई है कि हाथी चौक के समीप स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक सहायक उप-निरीक्षक ने अपनी 9-एमएम पिस्तौल से दो बार हवाई फायरिंग की थी। इस घटनाक्रम में तीन आंदोलनकारियों को हल्की चोटें पहुंचीं। राज्य सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि इन व्यक्तियों की चोटों का गोलीबारी से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि वेफायरिंग वाले स्थान पर मौजूद ही नहीं थे।

उग्र भीड़ और हिंसा के पीछे उपद्रवी

पुलिस महानिदेशक ने दिशा-निर्देश जारी किए

पुलिस विभाग ने यह स्वीकार किया कि एके -47 विशेष अभियानों के लिए इस्तेमाल होने वाला प्लाटून-स्तर का हथियार है, जिसे सामान्य कानून-व्यवस्था संभालने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इस संबंध में पुलिस महानिदेशक ने दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

शुरुआत में छात्रों का विरोध-प्रदर्शन पूरी तरह अनुशासित और शांत था। हालांकि, बाद में कुछ अराजक और उपद्रवी तत्व भीड़ में घुस आए, जिसके कारण स्थिति हिसक हो गई और पथराव व तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। इस हिंसा और उपद्रव में कानून-व्यवस्था संभाल रहे करीब 157 पुलिसकर्मी और 7 अन्य शासकीय कर्मचारी चोटिल हुए।

बिहार सरकार का हलफनामा

पुलिस ने हवा में चलाई थी एके-47 से 4 चक्र गोलियां

पटना। बिहार में छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस द्वारा अनुचित और अत्यधिक बल प्रयोग किए जाने के आरोपों पर राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल किया है।राज्य सरकार ने पुलिस बर्बरता के दावों को खारिज करते हुए कहा है कि प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के दौरान किसी भी तरह की अत्यधिक या असंगत ताकत का इस्तेमाल नहीं किया गया।हलफनामे में सिवान की घटना का जिक्र करते हुए बिहार सरकार ने स्पष्ट किया कि प्रदर्शन के दौरान भीड़ में घिरे एक पुलिस कॉन्स्टेबल ने बचाव में अपने एके -47 हथियार से हवा में 4 चक्र गोलियां चलाई थीं। सरकार ने अदालत को बताया कि गोलियों से कोई भी व्यक्ति या प्रदर्शनकारी घायल नहीं हुआ है।हालांकि, कानून-व्यवस्था जैसी स्थिति में इस प्रकार के असंल्ट हथियार के अनधिकृत उपयोग को अनुचित आचरण मानते हुए संबंधित सिपाही को निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

रिजिजू ने दीपके पर पहले दिखाया नरम रुख, फिर सवाल भी उठाए

वह हमारा ही लड़का, बौद्ध है, आंदोलन को राजनीतिक बना दिया

एजेंसी ►► नई दिल्ली

संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजिजू ने कांक्रोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को लेकर सवाल उठाए हैं। रिजिजू ने उनकी छात्र के रूप में पहचान पर भी सवाल किया। उन्होंने दीपके के लिए नरम रुख दिखाते हुए उन्हें अपना ही लड़का बतया। उन्होंने कहा कि जब वे राजनीतिक दल छोड़ जाते हैं, तो वे छात्रों की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने की कोशिश करते हैं। ऐसा करना लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इतने बड़े प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाकर रखी और किसी व्यक्ति को खराब तक नहीं आई। विपक्ष सरकार पर छात्रों के दमन की झूठी कहानी बनाने की कोशिश कर रहा है।



सीजेपी के बैनर तले जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन हुआ था। इसके चलते पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। रिजिजू ने एक इंटरव्यू में दीपके और उनके आंदोलन को लेकर सवाल उठाए। रिजिजू से जब छात्रों की शिक्षा क्षेत्र में सुधार से जुड़ी मांगों और जेन-जी आंदोलन पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने माना कि छात्रों की चिंताएं जायज हैं। उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक दलों ने इस आंदोलन को पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया है।

छात्रों की आड़ में राजनीतिक रोटियां सेकते हैं दल रिजिजू ने विपक्षी दलों और खास तौर पर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब वे राजनीतिक दल छोड़ जाते हैं, तो वे छात्रों की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने की कोशिश करते हैं। ऐसा करना लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इतने बड़े प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाकर रखी और किसी व्यक्ति को खराब तक नहीं आई। विपक्ष सरकार पर छात्रों के दमन की झूठी कहानी बनाने की कोशिश कर रहा है।

स्नेह की डोर बहनों के स्वावलंबन की ओर

₹1750 इस बार रक्षाबंधन का उपहार

मोहन भैया द्वारा 1.25 करोड़+ लाड़ली बहनों को ₹2148 करोड़+ का अंतरण

विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण

19 अगस्त, 2026 जिला मैहल



सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP

D-11083/26

ओडिशा में बाढ़: 10 लाख से ज्यादा प्रभावित, असम में 7 लाख लोगों ने छोड़ा घर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश में इस वक़्त सबसे अधिक बाढ़ से प्रभावित राज्यों में ओडिशा भी शामिल है। इस राज्य में करीब 10 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं और कई गांव के गांव पानी में डूब चुके हैं। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने हाल ही में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा भी किया था, जिसके बाद मंगलवार को उन्होंने प्रभावित इलाकों के लिए राहत पैकेज की घोषणा की। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 1,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की है। यह राहत पैकेज विशेष तौर पर 6 जिलों के लिए किया गया है जो बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने बालासोर, भद्रक, जाजपुर, मयूरभंज, क्यॉंझर और केंद्रपाड़ा जिलों में बाढ़ की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करने के बाद यह पैकेज घोषित किया। राज्य में बाढ़ से अब तक लगभग 9.40 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। सीएम ने इस पैकेज का ऐलान करते हुए कहा कि इस राहत राशि का इस्तेमाल प्रभावित जिलों में नुकसान की भरपाई के लिए किया जाएगा।

देश के कई हिस्सों में बाढ़ और बारिश से जमकर बरस रहा कहर

6 जिलों के लिए ओडिशा सरकार ने 6 लाखों के लिए राहत पैकेज दिया 1000 करोड़ का राहत पैकेज

बालासोर, भद्रक, जाजपुर, मयूरभंज, क्यॉंझर और केंद्रपाड़ा को राहत

असम में लाखों विस्थापित, 103 की मौत, 433 गांव जलमग्न

असम में बाढ़ हर साल आती है, लेकिन इस बार ऊपरी असम के शिवसागर और चराइदेव में हालात बेहद गंभीर रहे। 19 जुलाई से 27-28 जुलाई के बीच बाढ़ ने विकराल रूप ले लिया। इस दौरान अब तक 103 लोगों की मौत हो चुकी है। 433 गांव जलमग्न हैं और सात लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए हैं। बाढ़ का पानी घटने के बावजूद राज्य के कई इलाकों में तबाही के निशान अब भी साफ दिखाई दे रहे हैं। 19 जुलाई को नगालैंड के मोन जिले की पहाड़ियों में हुई तेज बारिश के बाद नीचे बहने वाली दिखी नदी में अचानक पानी बढ़ गया। इसके बाद बाढ़ का पानी कई गांवों में घुस गया। शिवसागर और चराइदेव के अलावा गोलाघाट समेत कई इलाकों में लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अब भी करीब 49 हजार विस्थापित लोग राहत शिविरी और वितरण केंद्रों में रहने की मजबूर हैं।

ओडिशा

असम

पीपलकोटी टनल हादसा: रेस्क्यू पूरा, 10 श्रमिकों की मौत

चमोली जिले के पीपलकोटी में टीएचडीसी की निर्माणधीन टनल में 13 अगस्त को हुए हादसे के बाद छह दिनों से जारी सर्वे एवं रेस्क्यू ऑपरेशन मंगलवार को समाप्त हो गया। अभियान के अंतिम दिन दो और श्रमिकों के शव बरामद किए गए, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। इस हादसे में 12 श्रमिक घायल हुए थे, जिनमें से दो की उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। प्रशासन ने पुष्टि की है कि अब टनल के भीतर कोई श्रमिक लापता नहीं है। किसी अन्य व्यक्ति के गुमशुदा होने की कोई सूचना भी प्राप्त नहीं हुई है। इसके साथ ही टनल में चलाया जा रहा सर्वे एवं रेस्क्यू अभियान आधिकारिक तौर पर समाप्त कर दिया गया है। हादसे की गंभीरता को देखते हुए भारत सरकार और उत्तराखंड सरकार के स्तर पर मजिस्ट्रेट जांच कराई जा रही है।

खबर संक्षेप

इमरान को अस्पताल भेजने का दिया आदेश

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सेहत को लेकर चिंता के बीच उन्हें अस्पताल ले जाने का आदेश दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उनकी सेहत की जांच के लिए इस्लामाबाद के शिफा इंटरनेशनल हॉस्पिटल भेजने के आदेश दिए गए हैं।

हसीना के प्रत्यार्पण पर फिर अड़ा बांग्लादेश

ढाका। बांग्लादेश ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान की भारत यात्रा पर फिर से विचार करने की बात कही है और इसे पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यार्पण की अपनी मांग से जोड़ा है। दिलचस्प बात यह है कि वह घटनाक्रम उसी महीने हुआ, जब हसीना ने खुद दिसंबर में स्वदेश लौटने की इच्छा जाहिर की थी। बांग्लादेश के आधिकारिक बयान में हसीना की इस खास टिप्पणी का कोई जिक्र नहीं किया गया। हालांकि, उसने प्रेस कॉन्फ्रेंस की आलोचना की।

सरकारी आंकड़ों से हुआ खुलासा

रोहिंग्या 2012 और 17 के दौरान हैदराबाद के रास्ते जम्मू पहुंचे थे

एजेंसी ►► जम्मू

जम्मू-कश्मीर सरकार ने राज्य में जनसांख्यिकी बदलाव की जांच कर रही नावलेकर समिति के समक्ष चौकाने वाले आंकड़े प्रस्तुत किए हैं। सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रदेश के सभी 20 जिलों में कुल 7,656 रोहिंग्या और 504 बांग्लादेशी नागरिक निवास कर रहे हैं। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि रोहिंग्या आबादी का बड़ा हिस्सा जम्मू संभाग में केंद्रित है। जम्मू के 10 जिलों में 6,737 रोहिंग्या और 46 बांग्लादेशी रह रहे हैं, जबकि कश्मीर संभाग के 10

जम्मू-कश्मीर में 7,656 रोहिंग्या और 504 बांग्लादेशियों की पहचान

फाइल फोटो

जिलों में 919 रोहिंग्या और 458 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की गई है। अधिकारियों ने समिति को बताया कि म्यांमार से आए अधिकांश रोहिंग्या वर्ष 2012 और 2017 के दौरान हैदराबाद के रास्ते जम्मू पहुंचे थे। हालांकि पिछले दो वर्षों में इनकी बस्तियों में मामूली वृद्धि हुई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय सीमा के निकट इनकी मौजूदगी सुरक्षा एजेंसियों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनी हुई है।

होर्मुज में जहाज पर हुआ हमला

इंजन रूम क्षतिग्रस्त, चालक दल का एक सदस्य हताहत

एजेंसी ►► दुबई

होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर निकल रहे एक जहाज को मंगलवार तड़के अज्ञात प्रोजेक्टाइल ने निशाना बनाया। ब्रिटिश सेना के यूके मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस (यूकेएमटीओ) केंद्र के अनुसार, हमले में जहाज के इंजन रूम को नुकसान पहुंचा और चालक दल का एक सदस्य हताहत हुआ। हमले की तत्काल किसी संगठन या देश ने जिम्मेदारी नहीं ली है। घटना ने एक बार फिर इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही को लेकर सुरक्षा चिंताएं बढ़ा दी हैं। यूकेएमटीओ ने जहाज या उसके माल से जुड़ी कोई जानकारी

लोकसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष के 21 ठिकानों पर छापे

वेतनरी ऑफिसर के लिए 70 से 80 लाख रुपए प्रति उम्मीदवार मांगी गई थी रिश्तत

एजेंसी ►► बंगलुरु

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के निरंलिंबित किए गए चैयरमैन शिवशंकरप्पा एस साहूकार, सदस्य शांता होसमनी और कुछ अन्य लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्यवाही वेतनरी ऑफिसर भर्ती परीक्षा में कथित घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। यह जानकारी एक अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया

लोकसेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष के 21 ठिकानों पर छापे

वेतनरी ऑफिसर के लिए 70 से 80 लाख रुपए प्रति उम्मीदवार मांगी गई थी रिश्तत

एजेंसी ►► बंगलुरु

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) के निरंलिंबित किए गए चैयरमैन शिवशंकरप्पा एस साहूकार, सदस्य शांता होसमनी और कुछ अन्य लोगों के ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्यवाही वेतनरी ऑफिसर भर्ती परीक्षा में कथित घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच के तहत की गई। यह जानकारी एक अधिकारियों ने दी। उन्होंने बताया

260 दिनों से शिप पर तैनात अमेरिकी सैनिक समुद्र में लगा रहे छलांग!

7 मौतों के दावों को राष्ट्रपति ट्रंप समेत सेंटकॉम ने किया खारिज

एजेंसी ►► वॉशिंगटन

अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन को लेकर पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया और विभिन्न रिपोर्ट्स में चौकाने वाले दावे किए जा रहे थे। इन रिपोर्ट्स में जहाज पर तैनात सैनिकों के मानसिक स्वास्थ्य के बिगड़ने, कुछ नाविकों द्वारा समुद्र में कूदने की कोशिश करने और 7 अमेरिकी सैनिकों की मौत होने की बात कही गई थी। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एवं अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने इन तमाम दावों को सिरि से खारिज कर दिया है। सेंटकॉम ने स्पष्ट किया है कि अब्राहम लिंकन पर

किसी भी सर्विस मेंबर की मौत नहीं हुई है और 7 मौतों की खबर पूरी तरह से भ्रामक है। घटना की असल सच्चाई बताते हुए सेंटकॉम ने जानकारी दी कि बीते 3 अगस्त को एक नाविक अन्जमाने में समुद्र में गिर गया था। हालांकि, सतर्कता बरते हुए उसे तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, नाविक को प्राथमिक उपचार देने के बाद आगे की बेहतर चिकित्सा देखभाल के लिए जहाज से बाहर भेजा गया है। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इसी एक नाविक के समुद्र में गिरने की अकेली घटना को गलत तरीके से जोड़कर 7 मौतों का झूठा दावा फैलाया गया।

विवाद के बीच कू को राहत देने की हो रही तैयारी

यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन लेगा अब्राहम लिंकन की जगह

ग्रीतार खाने से अमेरिका कर रहा मानले की जांच

इस पूरे विवाद के केंद्र में एयरक्राफ्ट कैरियर की असाधारण रूप से लंबी तैनाती है। यूएसएस अब्राहम लिंकन नवंबर 2025 से लगातार समुद्र में तैनात है और अपने 260 से अधिक दिन पूरे कर चुका है। इस जहाज पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन सवार हैं। इतनी लंबी अवधि तक समुद्र में रहने के कारण सैनिकों के परिवारों और कुछ अमेरिकी सांसदों ने भी स्थिति पर सफाई देते हुए कहा कि जहाज के हालात से जुड़ी रिपोर्ट्स को बढ़ा-चढ़ाकर और गलत तरीके से पेश किया गया है। नौसेना पर उठते सवाल और सैनिकों के मानसिक तनाव को देखते हुए अब बड़ा कदम उठाया जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, लंबे समय से तैनात इस कू को राहत देने के लिए यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन की अब्राहम लिंकन की जगह भेजने की तैयारी कर ली गई है।

इस पूरे विवाद के केंद्र में एयरक्राफ्ट कैरियर की असाधारण रूप से लंबी तैनाती है। यूएसएस अब्राहम लिंकन नवंबर 2025 से लगातार समुद्र में तैनात है और अपने 260 से अधिक दिन पूरे कर चुका है। इस जहाज पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन सवार हैं। इतनी लंबी अवधि तक समुद्र में रहने के कारण सैनिकों के परिवारों और कुछ अमेरिकी सांसदों ने भी स्थिति पर सफाई देते हुए कहा कि जहाज के हालात से जुड़ी रिपोर्ट्स को बढ़ा-चढ़ाकर और गलत तरीके से पेश किया गया है। नौसेना पर उठते सवाल और सैनिकों के मानसिक तनाव को देखते हुए अब बड़ा कदम उठाया जा रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, लंबे समय से तैनात इस कू को राहत देने के लिए यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन की अब्राहम लिंकन की जगह भेजने की तैयारी कर ली गई है।

नाटो के रूप में देखा जा रहा संगठन

भारत के साथ रणनीतिक संबंधों और क्षेत्रीय संतुलन के कारण मक्का पैक्ट से दूर है मिस्त्र

एजेंसी ►► नई दिल्ली

तुर्की, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हाल ही में हुए मक्का पैक्ट को इस्लामिक नाटो के रूप में देखा जा रहा है। तुर्की द्वारा मिस्त्र को इसमें शामिल करने की इच्छा जताने के बावजूद मिस्त्र ने फिलहाल इस रक्षा गठबंधन से दूरी बनाई हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस फैसले के पीछे भारत के साथ काहिरा के मजबूत रणनीतिक और आर्थिक रिश्ते एक बड़ा कारण हैं। भारत और मिस्त्र के बीच द्विपक्षीय व्यापार 6.5 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है और मिस्त्र में भारतीय कंपनियों का निवेश 5.5 अरब डॉलर से अधिक है।

एआई इमेज

2023 में दोनों देशों ने अपने रिश्तों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया था। पाकिस्तान की भारत-विरोधी प्राथमिकताओं वाले गठबंधन में शामिल होने से काहिरा और नई दिल्ली के दशकों पुराने गुटनिरपेक्ष और रक्षा संबंधों पर नकारात्मक संदेश जा सकता है।



महिलाओं में सिर्फ एक कविता को मिली जगह

विशेष प्रतिनिधि ►► गोपाल

भाजपा अध्यक्ष की नितिन नवीन की नई राष्ट्रीय टीम में मप्र का दबदबा देखने को मिल रहा है। दबदबा इसलिए भी माना जा रहा है, क्योंकि सभी महत्वपूर्ण श्रेणियों में प्रदेश को स्थान दिया गया है। कुल 8 पदाधिकारियों में महिला अकेली कविता पाटीदार है। नवीन ने 65 नेताओं की टीम घोषित की है। इनमें पंजाब के तरुण चुघ को छोड़ दें तो सात यानी 10 प्रतिशत से अधिक मध्य प्रदेश से हैं। आशीष अग्रवाल को छोड़कर अधिकतर की आयु 50 से 60 वर्ष के बीच है। नई टीम में नए और अनुभवी नेताओं का संतुलन दिखाई देता है। टीम नवीन की खास बात यह है कि प्रदेश के पूर्व मंत्री लाल सिंह आर्य और बंशीलाल गुर्जर को छोड़कर बाकी सभी नेताओं को पहली बार राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है। इसे पार्टी की नई पीढ़ी को आगे बढ़ाने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है।

खबर संक्षेप दूसरी शादी से इंकार करने पर पत्नी पर जानलेवा हमला

सक्ती। जिले के जैजैपुर थाना क्षेत्र में पत्नी पर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी पति को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जानकारी के मुताबिक आरोपी पति दूसरी शादी करना चाहता था और पत्नी पर घर छोड़कर जाने का दबाव बना रहा था। पत्नी ने घर छोड़ने से इंकार किया तो आरोपी ने गुस्से में आकर धारदार टांगी से उसके सिर पर जानलेवा वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वारदात के बाद आरोपी टांगी को कमरे में छिपाकर मौके से फरार हो गया था, जिसे पुलिस ने घटना के कुछ ही घंटों बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार घटना 16 अगस्त की शाम करीब 4:30 बजे की है। जैजैपुर थाने में रामलाल सहस्रस ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट के मुताबिक उसके पिता राजकुमार सहस्रस उसकी मां सुमन बाई को पसंद नहीं करते थे और अक्सर दूसरी शादी करने की बात को लेकर पत्नी से विवाद करते थे। बताया गया कि आरोपी पिछले करीब पांच साल से पत्नी और परिवार से अलग व्यवहार कर रहा था। यहां तक कि वह घर में खान-पान भी नहीं करता था। घटना वाले दिन आरोपी ने सुमन बाई से घर छोड़कर चले जाने को कहा। महिला ने इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया और आरोपी राजकुमार ने टांगी से उसके सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। परिजनों ने घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया और घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

डॉ. वाणी अहलूवालिया कोचीन शिपयार्ड के बोर्ड में निदेशक नियुक्त

भोपाल। जबलपुर की डॉ. वाणी अहलूवालिया को कोचीन शिपयार्ड के बोर्ड में गैर-आधिकारिक निदेशक नियुक्त किया गया है।



उनका कार्यकाल तीन वर्ष के लिए होगा। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड भारत सरकार के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र की एक प्रमुख जहाज निर्माण कंपनी है। पेशे से डॉक्टर वाणी अहलूवालिया ने एमबीबीएस के साथ एएनएलबी की डिग्री भी हासिल की है। डॉ. वाणी अहलूवालिया वर्तमान में भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता हैं और पूर्व में भी भाजपा के विभिन्न दायित्व का निर्वहन कर चुकी हैं। विश्व हिंदू परिषद में विभिन्न पदों पर सक्रिय रहते हुए उन्होंने महिला समन्वय सहित अपने पेशे की विशेषज्ञता के क्षेत्र में नगरीय और विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य किए हैं।

2.21 लाख ग्रामीण उपभोक्ताओं को मिले नए बिजली कनेक्शन भोपाल।

कृषक कल्याण वर्ष 2026 के तहत मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी किसानों और ग्रामीण परिवारों को बेहतर बिजली सुविधा देने पर जोर दे रही है। कंपनी की अभिनव योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में मात्र 5 में स्थाई घरेलू और कृषि पंप बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं। अब तक 2.21 लाख ग्रामीण उपभोक्ताओं को नए कनेक्शन मिल चुके हैं।

भाजपा अध्यक्ष नवीन की टीम में मप्र का दबदबा सभी अहम श्रेणियों में प्रदेश को मिला खास दायित्व

क्षेत्रीय, सामाजिक संतुलन साधने की हुई कोशिश



सामाजिक आधार मजबूत करने का प्रयास

भाजपा ने इस बार क्षेत्रीय और सामाजिक संतुलन पर भी विशेष ध्यान दिया है। नई टीम में मालवा-निमाड़ से तीन, ग्वालियर-चंबल से दो, भोपाल संभाग से एक और बुंदेलखंड से एक नेता को शामिल किया गया है। वहीं, सामाजिक प्रतिनिधित्व के लिहाज से दो ओबीसी, एक दलित, एक बाहमण, एक आदिवासी, एक राजपूत और एक वैश्य समाज के नेता को जिम्मेदारी देकर पार्टी ने अपने व्यापक सामाजिक आधार को मजबूत करने का प्रयास किया है। लाल सिंह आर्य और आशीष अग्रवाल ग्वालियर-चंबल, गजेंद्र पटेल, कविता पाटीदार और बंशीलाल गुर्जर मालवा-निमाड़ और विष्णु दत्त शर्मा बुंदेलखंड और सौदन सिंह मध्य भारत से हैं। महाकौशल और विंध्य को संगठन में कोई प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया।

मालवा-निमाड़ से सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व

भाजपा ने मालवा-निमाड़ क्षेत्र को सबसे अधिक प्रतिनिधित्व दिया है। राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार को राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया है। महिला नेता होने के साथ ही वे ओबीसी वर्ग का प्रतिनिधित्व करती हैं। पार्टी पिछले कुछ वर्षों से उन्हें लगातार आगे बढ़ा रही है। खरगोन से सांसद गजेंद्र पटेल को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। आदिवासी वर्ग से आने वाले पटेल को राष्ट्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी देकर भाजपा ने आदिवासी राजनीति को स्पष्ट संदेश दिया है। बंशीलाल गुर्जर भाजपा के किसान नेता हैं।

वीडी को मिला बेहतर प्रदर्शन का इनाम

पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और खजुराहो सांसद वीडी शर्मा को लंबे समय तक प्रदेश अध्यक्ष रहने के दौरान उन्होंने संगठन को बृ्ध स्तर तक मजबूत करने का काम किया। उनके नेतृत्व में भाजपा ने नगरीय निकाय, पंचायत, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने मध्य प्रदेश की सभी 29 सीटों पर जीत दर्ज की थी। संभवतः उन्हें इस प्रदर्शन का इनाम मिला है।

राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट की एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की बैठक

सीएम ने प्रदेश की औद्योगिक प्रगति, निवेश और आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना पर रखा विजन

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

भारत औद्योगिक विकास योजना (भव्य) में 9,047 एकड़ क्षेत्र में 11 औद्योगिक पार्कों के प्रस्ताव प्रस्तुत

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट की तीसरी एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की नई दिल्ली में आयोजित बैठक में प्रदेश की औद्योगिक प्रगति, निवेश संभावनाओं, औद्योगिक कॉरिडोर तथा आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना के विकास से जुड़े विषयों पर राज्य सरकार का विजन रखा। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में औद्योगिक निवेश की संभावनाओं, उद्योगों के लिए उपलब्ध सुविधाओं तथा केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से विकसित की जा रही औद्योगिक परियोजनाओं की जानकारी दी।



बैठक में केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री तथा एपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी की अध्यक्ष निर्मला सीतारमण, केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल तथा केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, नीति आयोग के

उपाध्यक्ष अशोक कुमार लाहिड़ी उपस्थित थे। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, उद्योग मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने औद्योगिक विकास और निवेश से जुड़े विषयों पर अपने-अपने राज्यों का विजन रखा। आधुनिक औद्योगिक अधोसंरचना,

निवेश-अनुकूल नीतियों, प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं और उद्योगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयासों के माध्यम से प्रदेश में औद्योगिक विकास, निवेश और रोजगार सृजन को निरंतर गति दी जा रही है।

महिला कर्मियों के लिए आधुनिक सुविधाओं पर विशेष जोर

प्रदेश सरकार औद्योगिक क्षेत्रों में महिला कर्मियों की सुविधा, सुरक्षा और कार्य के अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के लिए भी विशेष प्रयास कर रही है। इन सुविधाओं का उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के साथ उन्हें सुरक्षित और बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना है। औद्योगिक कॉरिडोर और नोड्स से निवेश को नई गति मिलेगी।

भारत औद्योगिक विकास योजना के तहत 11 औद्योगिक पार्कों के प्रस्ताव

भारत सरकार की बीएचएएवीवायए (भक्या) योजना के तहत मप्र की ओर से फेज-एक, राउंड-एक में 11 औद्योगिक पार्कों के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं। इन प्रस्तावों के तहत कुल 9,047.08 एकड़ क्षेत्र में औद्योगिक अधोसंरचना विकसित करने की योजना है। प्रस्तावित परियोजनाओं की कुल डीपीआर लागत 8,144.35 करोड़ रुपये है। इन औद्योगिक पार्कों को निवेश-तैयार और प्लग-एंड-प्ले सुविधाओं से युक्त विकसित करने का लक्ष्य है। इससे प्रदेश में नए निवेश आकर्षित होने के साथ ही रोजगार के अवसरों का भी विस्तार होगा।

प्रस्तावित 11 परियोजनाओं में यह शामिल

मप्र की ओर से राउंड-एक के तहत प्रस्तावित औद्योगिक पार्कों को राज्य के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में संतुलित रूप से वितरित किया गया है, ताकि औद्योगिक विकास के लाभ संपूर्ण राज्य में समान रूप से पहुंच सकें। प्रस्तावित 11 परियोजनाओं में अवंतिका इंस्ट्रियल सेंटर (उज्जैन), भंसेला (धार), पिपलरावांन-पालीकालन (देवास-शाजापुर), आईआर रतलाम-पलसोड़ी, आष्टा इंस्ट्रियल क्लस्टर (सीहोर), मसवासी ग्रांट (सागर), चैनपुरा (गुना), मोहना (ग्वालियर), धरमपुरा (जबलपुर), सिमरा (कटनी) और शिवसागर (रीवा) शामिल है।

सबसे बड़े पीएम मित्रा पार्क का होगा विस्तार

इन परियोजनाओं का कुल क्षेत्रफल 9,000 एकड़ से अधिक है। भंसेला औद्योगिक पार्क को टेक्सटाइल पार्क के रूप में प्रस्तावित किया गया है, जो धार स्थित भारत के सबसे बड़े पीएम मित्रा पार्क का विस्तार होगा तथा वस्त्र क्षेत्र की संपूर्ण वैल्यू चेन को समाहित करेगा। इसके अतिरिक्त, ये इंस्ट्रियल पार्क फार्मा, ऑटोमोबाइल, रियूएबल एनर्जी इक्विपमेंट, सेमीकंडक्टर, आईटी एवं आईटीज सहित विभिन्न क्षेत्रों को समर्थन प्रदान करेंगे तथा इनसे प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के व्यापक अवसर उत्पन्न करेंगे।

15 अगस्त को ही लाया गया था बाल सुधार गृह, सुरक्षा पर उठे सवाल बाल सुधार गृह में दुष्कर्म के बाल अपचारी की संदिग्ध मौत

हरिभूमि न्यूज ►► बिलासपुर

सरकंडा स्थित बाल सुधार गृह में एक बार फिर गंभीर घटना सामने आई है। यहां दुष्कर्म के मामले में लाए गए बाल अपचारी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक रायगढ़ जिले का रहने वाला था और उसे 15 अगस्त को ही बाल सुधार गृह लाया गया था।

सुधार गृह में आने के कुछ समय बाद उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सरकंडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना के बाद बाल सुधार गृह में हड़कंप मच गया। मामले की जानकारी मिलने पर सरकंडा पुलिस मौके पर पहुंची और



घटनास्थल का निरीक्षण किया। बाल अपचारी की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका अभी स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक के परिजनों को भी घटना की जानकारी दे दी गई है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होने की उम्मीद है। इस घटना के बाद बाल सुधार गृह की सुरक्षा और

फिलहाल सरकंडा थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी

निगरानी व्यवस्था एक बार फिर सवालें के घेरे में आ गई है। खास तौर पर यह सवाल उठ रहा है कि संवेदशील परिसर में बंदियों की नियमित निगरानी किस तरह की जाती है और सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद युवक की मौत कैसे हुई? गौरतलब है कि इससे पहले भी बिलासपुर के इसी बाल सुधार गृह में चार बंदियों द्वारा एक कर्मचारी की हत्या कर फरार होने की घटना सामने आ चुकी है। हालांकि पुलिस ने बाद में चारों को पकड़ लिया था। उस घटना के बाद भी बाल सुधार गृह की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे थे। अब एक बार फिर सुधार गृह के भीतर युवक की संदिग्ध मौत ने व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब सभी सवालों के जवाब पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद सामने आने की उम्मीद है। फिलहाल सरकंडा थाना पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है।

बेहतर कनेक्टिविटी ने महिलाओं की ज़िंदगी की आसान

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

हर बदलाव किसी बड़े भाषण से नहीं, बल्कि कई बार एक बेहतर सड़क से शुरू होता है। महिलाओं के लिए आजादी का अर्थ केवल अपने फैसले लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि बिना डर, रुकावट या असुविधा के शिक्षा, रोजगार और अपने सपनों तक पहुंचने की स्वतंत्रता भी है। इस बदलाव में सुरक्षित और बेहतर सड़कें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बेहतर कनेक्टिविटी ने महिलाओं को रोजमर्रा की ज़िंदगी को आसान बनाया है। कहीं छात्राओं का कॉलेज तक सफर सुगम हुआ है, तो कहीं कामकाजी महिलाओं का यात्रा समय कम हुआ है। यही बचा हुआ समय अब उनके सपनों, परिवार और करियर को मिल रहा है। एक बेहतर सड़क उनके लिए सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी मंजिल जुगल होने और उस तक स्वतंत्र रूप से पहुंचने का रास्ता बन रही है। सीहोर की छात्रा छाया रोज अपने पिता



के साथ बाइक से कॉलेज जाती हैं। वह कहती हैं, “मेरे लिए अच्छी सड़क सिर्फ आने-जाने का रास्ता नहीं, बल्कि अपने सपनों तक पहुंचने का माध्यम है। दो वर्षों से महिमा मालवी जैसी महिलाएं हर दिन यह सुनिश्चित करने में भूमिका निभाती हैं। आज महिलाएं केवल सड़क का उपयोग ही नहीं कर रहीं, बल्कि देश के इंफ्रास्ट्रक्चर का हिस्सा बनकर उसकी जिम्मेदारी भी निभा रही हैं। काव्या के लिए बेहतर सड़क का अर्थ है सुरक्षित और समय पर सफर।

सड़कों से सिर्फ सफर ही नहीं, सपने पूरे करने की भी आजादी

आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार, बातचीत बंद होने से नाराज था युवक, घायल अस्पताल में भर्ती

कांवड़ यात्रा में निकली महिला और उसके दो बच्चों पर एसिड अटैक

हरिभूमि न्यूज ►► दुर्ग

नंदिनी थाना क्षेत्र में मोटरसाइकिल सवार आरोपी ने कावड़ यात्रा में निकली महिला और उसके दो बच्चों पर एसिड फेंककर घायल कर दिया। घटना के बाद घायल महिला और बच्चों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां सभी का इलाज जारी है। पुलिस ने घटना के बाद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। नंदिनी थाना क्षेत्र के रवेलीडीह और अरसनारा के बीच सोमवार को कावड़ यात्रा में शामिल हुई महिला पर अज्ञात आरोपी द्वारा एसिड फेंककर फरार होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से महिला और उसके दोनों घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। महिला का चेहरा और गला एसिड के कारण झुलस गया है, वहीं दोनों बच्चे भी हल्के रूप से झुलस गए हैं।



पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि करंजा मिलाई निवासी

आरोपी महेश दास बैरागी और महिला की पहले से पहचान थी। दोनों की मुलाकात करीब छह महीने पहले एक पेट फैक्ट्री में काम करने के दौरान हुई थी। पुलिस के अनुसार, महिला द्वारा आरोपी से बातचीत बंद करने से वह नाराज था। इसी नाराजगी में आरोपी मोटरसाइकिल से कावड़ यात्रा में शामिल होने गई महिला के पास पहुंचा और उस पर एसिड फेंककर फरार हो गया। हमले में महिला और उसके दोनों बच्चे झुलस गए।

दुर्ग ग्रामीण एसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। फुटेज में एक युवक घटनास्थल के आसपास दिखाई दिया। इसके बाद पुलिस ने संदेह के आधार पर महेश दास बैरागी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने एसिड अटैक

करने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी गिरफ्तार, न्यायालय में किया गया पेश पुलिस ने मंगलवार को आरोपी महेश दास बैरागी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है। वहीं, एसिड हमले में घायल महिला और उसके दोनों बच्चों का अस्पताल में इलाज जारी है।

सीएम ने उद्योग निवेश संवर्धन की सेंट्रल बॉडी नीटिंग के बाद एक्स पर साझा की जानकारी

मध्यप्रदेश बना निवेशकों का सर्वाधिक पसंदीदा डेस्टिनेशन



शीर्ष मॉनिटरिंग अथॉरिटी की तृतीय बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री।

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एवं केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग पीयूष गोयल के साथ उद्योग निवेश संवर्धन की सर्वोच्च सेंट्रल बॉडी की बैठक में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। मुख्यमंत्री ने यहां राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास एवं कार्यान्वयन ट्रस्ट की शीर्ष मॉनिटरिंग अथॉरिटी की तीसरी बैठक में सहभागिता की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' में कहा कि हमारी सरकार ने केंद्र सरकार की 'भव्या' योजना (भारत औद्योगिक विकास योजना) के माध्यम से उद्योग विकास के कुछ प्रस्ताव प्रस्तुत किए हैं। प्रदेश में पर्याप्त लैंडबैंक के साथ बिजली एवं नवकरणीय ऊर्जा की पर्याप्त उपलब्धता है।

निवेशकों का लगातार बढ़ रहा विश्वास

राज्य में निवेशकों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। हमने 25 से अधिक नई औद्योगिक नीतियों के माध्यम से व्यापार एवं उद्योगों के लिए प्रक्रियाओं को सरल, पारदर्शी और सुगम बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर देश के पहले पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन किया था, जिसका कार्य बड़ी तेजी से प्रगति की ओर है। केंद्रीय मंत्रीगण ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश ने देश-दुनिया के सभी निवेशकों का विश्वास जीता है और आज मध्यप्रदेश पूरे देश में निवेशकों के सर्वाधिक पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है।

आतंकी नेटवर्क का सफाया, आतंकवाद के प्रति हमारी जीरो-टॉलरेंस का प्रमाण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आईएसआई समर्थित आतंकी नेटवर्क के खिलाफ सफल ऑपरेशन इस बात का संकेत है कि भारत आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंसी रखता है। मुख्यमंत्री ने

सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ ऐतिहासिक सफलता के बाद भारत अब देश की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करने वाले हर तत्व के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई जारी रखेगा।

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने दी जानकारी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने 'एक्स' पर देशवासियों को जानकारी दी कि मोदी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस से पहले आईएसआई समर्थित आतंकी गुट शहजाद भट्टी नेटवर्क को खत्म कर दिया और 200 से ज्यादा सदस्यों को गिरफ्तार करके उसके खतरनाक हमलों के मंसूबों को नाकाम कर दिया। भारतीय सुरक्षा बलों ने 14 राज्यों में अलग-अलग जगहों पर एक साथ ऑपरेशन चलाकर इस नेटवर्क को

ध्वस्त कर दिया, जो आतंकवाद के प्रति भारत की जीरो-टॉलरेंस नीति का एक बेहतरीन उदाहरण है। गृह मंत्री शाह ने बताया कि आईएसआई से फंड पाने वाले इस गुट के पास से भारी मात्रा में सामान भी बरामद किया गया। जिसमें आईईडी, पाकिस्तान ऑर्डेनंस फैक्ट्री के निशान वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, ज़िंदा कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल होने वाले सीसीटीवी कैमरे शामिल थे। यह नेटवर्क कई आतंकी गतिविधियों में शामिल था।



सोना 2,000 रुपए चढ़ा चांदी 730 रुपए मजबूत नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत 2,000 रुपये बढ़कर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। खुदरा विक्रेताओं और स्टॉकिस्ट की ओर से लिवाली बढ़ने के कारण लगातार दूसरे सत्र में सोने की कीमतों में तेजी आई। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के 1,56,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद भाव से 2,000 रुपये बढ़कर 1,58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, दो सत्रों तक 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर स्थिर रहने के बाद चांदी की कीमत भी 730 रुपये बढ़कर 2,40,730 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई।

पेटीएम के शर्मा नहीं बेच रहे हिस्सेदारी नई दिल्ली। पेटीएम के संस्थापक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विजय शेखर शर्मा को वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड (पेटीएम) में निवेश इकाई रजिस्ट्रिएंट एसेट मैनेजमेंट बीबी की 4.98 प्रतिशत हिस्सेदारी की प्रस्तावित बिक्री से उन्हें कोई वित्तीय लाभ नहीं मिलेगा। इस बिक्री से प्राप्त राशि एंटीफंफ को जाएगी। इसके अलावा, पेटीएम में शर्मा की करीब नौ प्रतिशत प्रत्यक्ष हिस्सेदारी में भी कोई बदलाव नहीं होगा।

ऑगमोंट का आईपीओ 21 अगस्त को खुलेगा नई दिल्ली। ऑगमोंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड का 825 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) 21 अगस्त को खुलेगा। कंपनी ने मंगलवार को सार्वजनिक घोषणा में बताया कि आईपीओ का मूल्य दायरा 750-788 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। यह 620 करोड़ रुपये के नए शेयर तथा 205 करोड़ रुपये के शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण होगा। आईपीओ 21 अगस्त को खुलेगा और 25 अगस्त को बंद होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 20 अगस्त को बोली लगा पाएंगे।

मिल्की मिस्ट डेयरी 18 फीसदी बढ़कर सूचीबद्ध नई दिल्ली। पैकेट बंद खाद्य उत्पाद बनाने वाली कंपनी मिल्की मिस्ट डेयरी फूड लिमिटेड का शेयर अपने निगम मूल्य 140 रुपये के मुकाबले करीब 18 प्रतिशत की बढ़त के साथ मंगलवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई और एनएसई दोनों पर शेयर 165 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निगम मूल्य से 17.85 प्रतिशत अधिक है। बीएसई पर बाद में यह 29.60 प्रतिशत चढ़कर 181.45 रुपये पर पहुंच गया।



नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) ने देश के 121 टोल प्लाजा पर ऑनलाइन फास्टैग स्थानीय पास की सुविधा का विस्तार किया है। मंगलवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने कहा कि पात्र दैनिक यात्री 'राजमार्गयात्रा मोबाइल ऐप' के जरिये ऑनलाइन मासिक स्थानीय पास ले सकते हैं। इससे टोल प्लाजा पर व्यक्तितगत रूप से जाने और सहायक दस्तावेजों को भौतिक रूप से जमा करने की आवश्यकता खत्म हो जाएगी।

इट्सा हॉस्पिटल्स पहुंचे बाबा रामदेव, कहा-स्वस्थ जीवन सफलता का आधार

योगगुरु बाबा रामदेव ने दी शुभकामनाएं और सराही अस्पताल की सेवाएं

शहर को विकसित होते देखा है

अपने संबोधन में स्वामी रामदेव ने कहा कि वे पिछले 25 वर्षों से रायपुर आते रहे हैं और उन्होंने इस शहर को निरंतर प्रगतिशील एवं विकासशील होते देखा है। उन्होंने रायपुर के लोगों के प्रति अपना स्नेह व्यक्त करते हुए कहा कि यह शहर उन्हें हमेशा अपनापन देता है। उन्होंने सभी को योग अपनाने का संदेश देते हुए कहा, "योग करो, स्वस्थ बनो। करियर बनाओ, बुद्धिमान बनो। शरीर से पराकामी बनो और मस्तिक के बुद्धिमान बनो।" उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन ही सफलता और समृद्धि का सबसे मजबूत आधार है।



रायपुर का आधुनिक मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल

इट्सा हॉस्पिटल्स, रायपुर एक आधुनिक मल्टीस्पेशियलिटी अस्पताल है, जो उन्नत चिकित्सा तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों और मरीज-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से उत्तीर्णगढ़ एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है।

इट्सा हॉस्पिटल्स के निदेशकों से की मुलाकात

इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने इट्सा हॉस्पिटल्स के निदेशकों एवं उनके परिवार के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने अस्पताल के नेतृत्व की सराहना करते हुए इसे सेवाभावी, प्रेरणादायी एवं प्रतिष्ठित संस्थान बताया तथा भविष्य के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रकट कीं। अंत में अस्पताल प्रबंधन ने स्वामी रामदेव के आगमन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। प्रबंधन ने कहा कि उनका आशीर्वाद और प्रेरणादायी संदेश पूरे संस्थान के लिए गर्व एवं उत्साह का विषय है।

अभियान बिल्कुल कारोबार नहीं दिखाने वाली इकाइयों के खिलाफ

विदेशों में भेजा गया संदिग्ध पैसा आयकर विभाग की जांच के घेरे में

प्रमाणपत्र जारी करने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट होंगे निशाने पर

एजेंसी ►► नई दिल्ली

आयकर विभाग ने कम या बिल्कुल कारोबार नहीं दिखाने वाली इकाइयों, उनके पीछे मौजूद लोगों और कर निर्धारण प्रमाणपत्र जारी करने वाले चार्टर्ड अकाउंटेंट के विदेश भेजी गयी संदिग्ध राशि की जांच के लिए अभियान शुरू किया है। विभाग ने कहा कि इस अभियान के दायरे में भारत की जमीनी सीमाओं से लगे जिलों में स्थित ऐसी इकाइयों को भी शामिल किया गया है, जिन्होंने बड़ी मात्रा में पैसा विदेश भेजा है। आयकर विभाग ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि इस अभियान में करीब 394 इकाइयों और 36 पेशवरों को शामिल किया गया है। इनमें सीमावर्ती राज्यों में स्थित 117 इकाइयां शामिल हैं। विभाग ने 18 अगस्त को संदिग्ध रूप से विदेश भेजी गयी राशि की विस्तृत राष्ट्रव्यापी जांच शुरू की। इसमें मुखौटा कंपनियों, उनके पीछे मौजूद लोगों और फॉर्म 15सीबी प्रमाणपत्र जारी करने वाले पेशवरों पर गौर किया गया है।

धन प्रेषण बताए गए उद्देश्यों से मेल नहीं खाते: विभाग ने कहा कि ये माल दुरुदाई भुगतान, सॉफ्टवेयर का आयात या परामर्श सेवाओं के आयात जैसे धन प्रेषण के बताए गए उद्देश्यों से भी मेल खाते नहीं दिखे। जांच में यह भी पता चला कि इनमें से कई इकाइयां अपने घोषित पते पर वास्तव में काम नहीं कर रही थीं।



जांच जमीनी स्तर से मिली सूचनाओं के बाद

संदिग्ध विदेशी धन प्रेषण की जांच आंकड़ों के विश्लेषण और जमीनी स्तर से मिली सूचनाओं के बाद शुरू की गई है। इनसे पता चला कि कम या बिल्कुल कारोबार नहीं दिखाने वाली कुछ इकाइयों ने काफी पैसा विदेश भेजा। विभाग ने चार्टर्ड अकाउंटेंट को फॉर्म 15सीबी/फॉर्म 146 जारी करते समय सावधानी बरतने की चेतावनी दी और उचित जांच-पड़ताल तथा पेशेवर निर्णय लेने को कहा।

प्रमाणपत्र जारी करने से पहले उचित जांच करनी चाहिए

आयकर विभाग ने एक बयान में कहा, "प्रमाणपत्र जारी करने से पहले उन्हें संबंधित लेनदेन और उससे जुड़े तथ्यों की उचित जांच करनी चाहिए, क्योंकि ये प्रमाणपत्र व्यवस्था में विश्वास बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" फॉर्म 15सीबी या फॉर्म 146 भारत से विदेश भेजे जाने वाले धन के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा जारी किया जाने वाला कर निर्धारण प्रमाणपत्र है।

भारत में पेशेवरों को 'पदनाम' के हिसाब से नहीं मिलता वेतन

एजेंसी ►► मुंबई

भारत में पेशेवरों का एक बड़ा तबका यह महसूस करता है कि उनके पदनाम और वेतन के बीच तालमेल की कमी है, जो कार्यस्थलों पर पहचान और मिलने वाले प्रतिफल के बीच बढ़ते अंतर को उजागर करता है। एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह बात कही गई।

इंडीड की तिमाही भर्ती निगरानी रिपोर्ट के अनुसार, 10 में लगभग छह पेशेवरों ने कहा कि उनका पदनाम उनके वेतन को नहीं दर्शाता है। यह रिपोर्ट देश के 1,211 नियोक्ताओं और 2,533 कर्मचारियों से मिले सुझावों पर आधारित है। इसमें कहा गया कि साक्षात्कार में शामिल लगभग 80 प्रतिशत कर्मचारियों का मानना था



कि उद्योगों में बढ़ा-चढ़ाकर पदनाम देना आम बात हो गई है और उन्होंने अपने सहकर्मियों को वेतन में बिना किसी समान वृद्धि के अधिक वरिष्ठ लगने वाले पदनाम पाते देखा है। इंडीड इंडिया के प्रबंध निदेशक शशि कुमार ने कहा, "पदनाम हमेशा एक पेशेवर की पहचान रहा है। पदनाम सार्थक बने रहते हैं क्योंकि वे अवसर और क्षमता का संकेत देते हैं, लेकिन वे तब सबसे अधिक प्रभावी होते हैं जब वे वास्तविक करियर प्रगति को दर्शाते हैं।" यह रिपोर्ट इंडीड की ओर से वैल्यूवॉक्स द्वारा मई और जून, 2026 में किए गए एक सर्वेक्षण पर आधारित है।

पेशेवर पदनाम की जगह अधिक वेतन चाहते हैं

रिपोर्ट से पता चलता है कि पिछले दो वर्षों में पदनाम में बदलाव पाने वाले लगभग तीन में से एक कर्मचारी ने कहा कि यह था तो बिना किसी वेतन वृद्धि के या फिर पांच प्रतिशत से भी कम की वेतन वृद्धि के साथ मिला। साथ ही 52 प्रतिशत पेशेवरों ने कहा कि वे किसी नए अवसर पर विचार करते समय बेहतर पदनाम के बजाय अधिक वेतन चुनेंगे।

कच्चे तेल के दाम चढ़ने से घरेलू शेयर बाजार में गिरावट जारी

एजेंसी ►► मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को गिरावट का सिलसिला जारी रहा और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। बीएसई सेंसेक्स 493 अंक टूटा, जबकि निफ्टी भी नुकसान में लगातर छठे दिवस गिरावट आई और यह 133 अंक और नीचे आ गया। कच्चे तेल के दाम में तेजी और पश्चिम एशिया संकट के कूटनीतिक समाधान को लेकर उम्मीद कम होने के साथ निवेशकों की धारणा प्रभावित होने से बाजार में गिरावट



आई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 492.70 अंक टूटकर 77,235.46 अंक पर बंद हुआ। यह लगातार तीसरा दिन है जब सेंसेक्स में गिरावट आई है। इसी तरह निफ्टी में लगातार छठे कारोबारी सत्र में गिरावट आई और यह 132.75 अंक फिसलकर 24,154.90 अंक पर बंद हुआ।

आईसीआईसीआई बैंक ने 75 करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के आईसीआईसीआई बैंक ने कारोबार विस्तार के लिए विदेशी बाजार से बांड के जरिये 75 करोड़ डॉलर जुटाए हैं। बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि ये बांड उसकी आईएफएससी बैंकिंग इकाई के माध्यम से 5.417 प्रतिशत कूपन यानी ब्याज दर पर जारी किए गए हैं। बैंक



के अनुसार, पांच साल की अवधि के ये प्राथमिकता वाले बिना गारंटी वाले निश्चित दर के बांड उसके 7.5 अरब डॉलर के वैश्विक मध्यम अवधि नोट कार्यक्रम का हिस्सा हैं। बांड निर्गम से प्राप्त शुद्ध राशि का आवेदन और अनुमति की प्रक्रिया को भी डिजिटल बनाने का प्रस्ताव है।

उपयोग संबंधित नियामकीय दिशानिर्देशों के अनुसार सामान्य कारोबारी उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

इन वाहनों की तय उम्र सीमा को पांच साल तक बढ़ाने का प्रस्ताव

ईवी, सीएनजी और हाइड्रोजन कर्मर्शियल वाहनों की उम्र बढ़ाने की तैयारी

एजेंसी ►► नई दिल्ली

भारत सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), हाइड्रोजन ईंधन और सीएनजी से चलने वाले कर्मर्शियल वाहनों के लिए बड़ी राहत का प्रस्ताव रखा है। राष्ट्रीय परमिट सिस्टम के तहत चलने वाले इन वाहनों की तय उम्र सीमा को 5 साल तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। हालांकि, ये प्रस्ताव फिलहाल अंतिम नियम नहीं बना है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने डाफ्ट संशोधन पर आम लोगों, वाहन उद्योग और दूसरे संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां मांगी हैं। इसके लिए 30 दिन का समय दिया गया है। सुझावों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम गजट में प्रकाशित किए जाएंगे और उसके बाद ही लागू होंगे।



सरकार क्यों बढ़ाना चाहती है उम्र सीमा?

ये प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब सरकार कर्मर्शियल ट्रंसपोर्ट में साफ ईंधन वाले वाहनों का इस्तेमाल बढ़ाने पर जोर दे रही है। ईवी, हाइड्रोजन और सीएनजी वाहनों को प्रदूषण कम करने वाले विकल्पों के तौर पर बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में इन वाहनों की उम्र सीमा बढ़ाने से ऑपरेटरों को अपने वाहनों को लंबे समय तक इस्तेमाल करने का मौका मिल सकता है। हालांकि, फिलहाल यह सिर्फ प्रस्ताव है। जब तक अंतिम नियम गजट में प्रकाशित नहीं होते, तब तक मौजूदा नियमों में कोई बदलाव नहीं माना जाएगा।

राष्ट्रीय परमिट की प्रक्रिया होगी ज्यादा आसान: सरकार ने राष्ट्रीय परमिट सिस्टम को आसान और ज्यादा डिजिटल बनाने का भी प्रस्ताव रखा है। डाफ्ट नियमों के अनुसार, आवेदक अपनी सुविधा के अनुसार एक बार में अधिकतम 5 साल के लिए राष्ट्रीय परमिट ले सकते हैं। इसके लिए हर साल 16,500 रुपये की फीस तय की गई है, जिसे राष्ट्रीय परमिट खाते में जमा करना होगा। राष्ट्रीय परमिट के आवेदन और अनुमति की प्रक्रिया को भी डिजिटल बनाने का प्रस्ताव है।

सीमाएं 17 और 20 साल करने का प्रस्ताव

मंत्रालय ने सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स (सीएमवीआर), 1989 में संशोधन का डाफ्ट जारी किया है। इसका एक अहम प्रस्ताव राष्ट्रीय परमिट सिस्टम के तहत आने वाले वाहनों की उम्र सीमा से जुड़ा है। रूल 88 के तहत बैटरी से चलने वाले, हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाले और सीएनजी वाहनों की निर्धारित उम्र सीमा में 5 साल की बढ़ोतरी का प्रस्ताव है। अगर ये प्रस्ताव अंतिम रूप से मंजूर हो जाता है तो मौजूदा 12 साल और 15 साल की सीमाएं बढ़कर 17 साल और 20 साल हो सकती हैं। हालांकि, ये उम्र सीमाओं के लिए एक समान उम्र बढ़ाने का प्रस्ताव नहीं है। ये खास तौर पर रूल 88 के तहत आने वाले वाहनों की निर्धारित कैटेगरी पर लागू होगा। डाफ्ट में इन वाहनों की संशोधन के बाद अधिकतम उम्र कितनी होगी, इसे स्पष्ट नहीं किया गया है।

गोदरेज इंडस्ट्रीज निजी ऋण क्षेत्र में उतरेगी

एजेंसी ►► मुंबई

गोदरेज इंडस्ट्रीज समूह (जीआईजी) ने निजी ऋण क्षेत्र में उतरने की मंगलवार को घोषणा की। समूह ने अपने पहले वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) के जरिये 2,000 करोड़ रुपये तक जुटाने का लक्ष्य लक्ष्य रखा है। पिरो ज शा गोदरेज के समूह के चेयरपर्सन का पद संभालने के कुछ दिन बाद यह घोषणा की गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, गोदरेज एसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) श्रेणी-2 एआईएफ के तहत यह राशि जुटाएगी। यह एआईएफ क्षेत्र-विशेष



पर निर्भर नहीं रहने वाला मंच होगा, जो स्थापित निजी मध्यम आकार की कंपनियों को प्रदर्शन आधारित ऋण रणनीति के तहत वित्त उपलब्ध कराएगा। इसके तहत वित्तपोषण ठोस गारंटी और व्यापक ऋण अनुबंध सुरक्षा के आधार पर होगा। बयान में कहा गया कि इसका न्यूनतम 1,000 करोड़ रुपये जुटाने और कुल 2,000 करोड़ रुपये की राशि जुटाने का लक्ष्य है। इसके साथ अतिरिक्त राशि (ग्रीन शु) जुटाने का

कंपनी क्षमता बढ़ाने की दिशा में काम कर रही

गोदरेज कैपिटल के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और गोदरेज एएमसी के गैर-कार्यकारी निदेशक मनोी शाह ने निजी ऋण क्षेत्र में प्रवेश को कारोबार का "स्वामाधिकार" बताया। उन्होंने कहा कि कंपनी अब परिसंपत्ति प्रबंधन कारोबार में अपनी क्षमताएं विकसित करने की दिशा में काम करेगी।

विकल्प भी होगा। गौरतलब है कि जीआईजी अपनी अनुपूषी गोदरेज कैपिटल के जरिये पहले से ही ऋण और संपत्ति प्रबंधन क्षेत्र में मौजूद है। निजी ऋण क्षेत्र में आमतौर पर ऐसी इकाइयां को अपेक्षाकृत ऊंची ब्याज दरों पर ऋण दिया जाता है।

निर्यात में मारुति के तीन मॉडल शीर्ष पर : सीईओ

एजेंसी ►► नई दिल्ली

देश की अग्रणी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत से निर्यात किए गए

■ भारत के यात्री वाहन निर्यात में कंपनी की हिस्सेदारी 55 फीसदी से अधिक शीर्ष तीन यात्री वाहन मॉडल उसके ही हैं। कंपनी ने बयान में कहा कि अप्रैल - जून तिमाही में भारत के यात्री वाहन निर्यात किए गए शीर्ष तीन यात्री वाहन मॉडल मारुति सुजुकी के थे। निर्यात पर निरंतर ध्यान देने से कंपनी यात्री वाहन निर्यात के मामले में भारत में पहले स्थान पर पहुंची है।" कंपनी के अनुसार, जून तिमाही में भारत से सबसे अधिक निर्यात किए गए यात्री वाहन मॉडल में फ्रॉन्क्स, जिम्नी (5 डोर) और ई-विटारा क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।



निर्यात में कंपनी की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत से अधिक रही। उसके 'फ्रॉन्क्स' मॉडल ने 38 महीने से भी कम समय में दो लाख निर्यात का आंकड़ा पार कर लिया है। मारुति सुजुकी इंडिया के प्रबंध निदेशक

हुंडई की गैड आई10 चौथे स्थान पर

वाहन उद्योग के मुताबिक, हुंडई का गैड आई10 मॉडल निर्यात के मामले में चौथे स्थान पर रहा जबकि किसान का मैग्नाइट मॉडल सातवें स्थान पर रहा। फ्रॉन्क्स के दो लाख निर्यात का आंकड़ा पार करने पर ताकेउची ने कहा कि यह मॉडल कंपनी के निर्यात कारोबार की सफलता के सूचकांक के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

अप्रैल-जून में 2.22,392 इकाई निर्यात

सीईओ ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 से फ्रॉन्क्स भारत से सबसे अधिक निर्यात किया जाने वाला यात्री वाहन रहा है और अब इसे करीब 90 देशों में भेजा जा रहा है। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-जून अवधि में भारत से कुल यात्री वाहन निर्यात 2.22.392 इकाई रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि के 2,04,330 इकाई से 8.8 प्रतिशत अधिक है।



बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में 27 अगस्त तक चलेगा धार्मिक अनुष्ठान, प्रतिदिन शाम 5 बजे होगी कथा

जबलपुर। पवित्र श्रावण मास के पुण्य अवसर पर सिक्किम संस्तर महाताल स्थित श्री बगलामुखी सिद्ध पीठ शंकराचार्य मठ में मंगलवार से श्री शिव महापुराण कथा एवं असंख्य रुद्री निर्माण (पार्थिव शिवलिंग) अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। आयोजन के प्रथम दिवस मंदिर परिसर में श्री शिव महापुराण की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। भक्ति और आस्था से सराबोर वातावरण में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जयघोष करते हुए शोभायात्रा में सहभागिता की। पूरा परिसर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गूंज उठा।

शिव महापुराण की अमृतधारा में माव-विमोर होंगे श्रद्धालु

श्री शिव महापुराण कथा एवं धार्मिक अनुष्ठान 18 से 27 अगस्त तक आयोजित किया जा रहा है। कथा व्यास पूज्य ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी महाराज श्री के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को प्रतिदिन शिव महापुराण की कथा का रसपान कराया जाएगा। कथा प्रतिदिन शाम 5 बजे से प्रारंभ होगी। कथा के उपरांत भगवान शिव का महारुद्राभिषेक संपन्न होगा।

श्रावण की भक्ति में गूंजा ‘हर-हर महादेव’ निकली श्री शिव महापुराण की भव्य शोभायात्रा



महारुद्राभिषेक और पार्थिव शिवलिंग निर्माण का विशेष महत्व

ब्रह्मचारी श्री चैतन्यानंद जी महाराज ने कहा कि श्रावण मास भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष पुण्यकारी माना गया है। इस दौरान शिव महापुराण का श्रावण, पार्थिव शिवलिंग निर्माण और महारुद्राभिषेक श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक साधना से जोड़ते हैं। आयोजन का उद्देश्य धर्मप्रेमी समाज को भगवान शिव की भक्ति, कथा और

आध्यात्मिक चिंतन से जोड़ना है।

असंख्य रुद्री निर्माण का अनुष्ठान

श्री शिव महापुराण कथा के साथ असंख्य रुद्री निर्माण अर्थात पार्थिव शिवलिंग निर्माण का अनुष्ठान भी किया जा रहा है। श्रद्धालु इसमें सहभागी होकर भगवान भोलेनाथ की आराधना कर रहे हैं। मंदिर परिसर में आयोजन को लेकर विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

धर्मप्रेमी नागरिकों से सहभागिता की अपील

आयोजकों ने कहा कि यह आयोजन केवल कथा श्रावण का अवसर नहीं, बल्कि भगवान शिव की आराधना, भक्ति और आध्यात्मिक साधना से जुड़ने का पावन अवसर है। उन्होंने धर्मप्रेमी नागरिकों से परिवार और बंधु-बंधवों सहित प्रतिदिन कथा एवं महारुद्राभिषेक में उपस्थित होकर इस दिव्य कथा संहिता में अवगाहन करने की अपील की।

यह रहे उपस्थित

आयोजन में आचार्य राजेंद्र शास्त्री, भारत सिंह यादव, सुरेश सरिता कुर्जेले, नीता पटेल, वर्षा साहू, अमित-प्रतिक्षा सिंह, गोविंद-प्रीति साहू, प्रीति अग्रवाल, आराधना आशीष चौकसे, शिव गुप्ता, सुनील गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह परिहार, तुलसी अवस्थी, वैभव दुबे, अंकित दीक्षित, सोनू कुर्तेले, राहुल मौर्य, राज गुप्ता, लकी शर्मा, रोहित तिवारी, अभिषेक उपाध्याय, गौरव चौबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। मीडिया प्रमारी मंगेश सेन ने धर्मप्रेमी नागरिकों से आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया।



जनेकृवि की आईएफएस टीम को मिला प्रशंसा प्रमाण-पत्र

जबलपुर। रायसेन में आयोजित उन्नत कृषि महोत्सव-2026 प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण में एकीकृत कृषि प्रणाली (आईएफएस) एवं प्राकृतिक खेती की जीवंत प्रदर्शन इकाइयों के विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय (जनेकृवि), जबलपुर की आईएफएस टीम को प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के उप महानिदेशक (कृषि विस्तार) डॉ. राजबीर सिंह द्वारा प्रेषित प्रशंसा प्रमाण-पत्र स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनेकृवि के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा एवं विश्वविद्यालय अधिकारियों व गणमान्य अतिथियों ने टीम को प्रदान किया। इस अवसर पर एकीकृत समन्वित प्रणाली प्रमुख एवं चीफ एग्रीनोमिस्ट डॉ. नम्रता जैन, प्रमुख प्राकृतिक खेती परियोजना डॉ. विकास गुप्ता एवं सस्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय के श्री राकेश मोबिया को सम्मानित किया गया। विश्वविद्यालय ने टीम के समर्पित प्रयासों एवं उत्कृष्ट योगदान के लिए शुभकामनाएं देते हुए बधाई दी।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत के साथ ‘उदय 2026’ का शुभारंभ

जबलपुर। बडेरिया ग्लोबल इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए तीन दिवसीय ‘उदय 2026’ इंडक्शन प्रोग्राम का भव्य शुभारंभ हुआ। इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट, पॉलिटेक्निक एवं एमटेक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा दीप प्रचलन एवं गणेश वंदना से हुआ। इस अवसर पर बडेरिया ग्लोबल ग्रुप के संरक्षक एस.डी. बडेरिया एवं आशा बडेरिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्रुप अध्यक्ष डॉ. सोरभ बडेरिया ने की। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए बदलते तकनीकी एवं प्रतिस्पर्धात्मक परिवेश के अनुरूप ज्ञान, कौशल एवं व्यक्तित्व विकास पर जोर दिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियों, प्रशिक्षण,



कौशल विकास कार्यक्रमों एवं सुविधाओं की जानकारी दी गई। डॉक्ट्रिनेरी के माध्यम से संस्थान की उपलब्धियों से परिचित कराया गया। सेमिस्टर परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित किया गया। डायरेक्टर डॉ. राजीव खत्री ने स्वागत उद्घोष दिया। मोटिवेशनल स्पीकर अफजल अहमद ने विद्यार्थियों को प्रतिभा निखारने एवं उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए

प्रेरित किया। परीक्षा नियंत्रक मुकेश तिवारी ने नामांकन एवं परीक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर डिप्टी डायरेक्टर डॉ. निहारिका यादव, डायरेक्टर प्लानिंग डॉ. रविंद्र क्षीरसागर, रजिस्ट्रार प्रो. पूर्णानंद दुबे, सोरभ शर्मा, प्रतीक मिश्रा, मनीष तिवारी, अनिल शुक्ला, अमित अग्रवाल, वंदना पाठक, शुभम पटेल सहित विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन प्रो. प्रसन्न पाठक ने किया।

नगर निगम की जनसुनवाई में आए 69 आवेदन मौके पर हुआ निराकरण

जबलपुर। नगर निगम मुख्यालय एवं सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई की गई। निगमयुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अपर आयुक्त विद्यानंद बाजपेई, अशफाक कुरेशी एवं प्रमारी जनसुनवाई वेद प्रकाश चौधरी ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को मौके पर बुलाकर कई मामलों का तत्काल निराकरण कराया। मुख्यालय में कुल 44 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें अतिक्रमण के 2, भवन शाखा के 14, स्वास्थ्य के 3, जल के 2, कॉलोनी सेल के 2, राजस्व, एडोसीआर, स्थापना के 2, संपदा शाखा के 12, उद्यान, लेखा तथा डिभिजन संभागों से संबंधित आवेदन शामिल रहे। राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग से जुड़े संवेदनशील मामलों का मौके पर ही समाधान किया गया। वहीं नगर निगम के सभी संभागीय कार्यालयों में 25 आवेदन प्राप्त हुए, जिनका संभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही शत-प्रतिशत निराकरण किया। त्वरित कार्रवाई से आवेदकों को राहत मिली। जनसुनवाई में उपस्थित श्रीमती अंकिता जैन, गुलाब इमराली, सुनील दुबे, विष्णु देवेंद्र पटेल, अखंड, सतीश मिश्रा सहित विभागीय प्रमुख एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मन के बंधनों से आजादी ही वास्तविक मुक्ति : सतगुरु माता सुदीक्षा

आंतरिक स्वतंत्रता और ब्रह्मज्ञान के संदेश संग मनाया मुक्ति पर्व

जबलपुर। संत निरंकारी मिशन की ओर से मुक्ति पर्व श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया गया। दिल्ली स्थित निरंकारी सरोवर के समक्ष ग्राउंड नंबर-2, निरंकारी चौक, बुराड़ी रोड पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के पावन सान्निध्य में देश-विदेश से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने संदेश दिया कि सच्ची मुक्ति बाहरी बंधनों से नहीं, बल्कि नफरत, अहंकार, छोटी सोच, अज्ञान एवं पूर्वाग्रहों से मुक्त होने में है। हर सांस में निराकार परमात्मा का अहसास रखते हुए प्रेम, भक्ति एवं स्वीकार्यता के साथ जीवन जीना ही जीते-जी मुक्ति है। उन्होंने माता सविंदर जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए लाइट हाउस का उदाहरण दिया और कहा कि परिस्थितियां कैसी भी हों, भीतर की शांति, प्रेम एवं सकारात्मकता की रोशनी कायम रखनी चाहिए। संतों की शिक्षाओं को



जीवन में उतारना ही वास्तविक साधना है। इसी क्रम में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के आशीर्वाद से जबलपुर शाखा के गोल बाजार भवन में भी मुक्ति पर्व आयोजित किया गया। रीवा से पधार प्रचारक महात्मा दर्शन लाल जी अरोरा के सान्निध्य में हुए कार्यक्रम में

मिशन के इतिहास एवं महान संत विभूतियों के त्याग व समर्पण को स्मरण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम में बताया गया कि ब्रह्मज्ञान की दिव्य ज्योति मानव को अपनी वास्तविक पहचान का बोध कराते हुए प्रेम, सद्भाव एवं मानवता के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।



24 वर्षों की सेवा यात्रा को किया याद, चार्टर सदस्यों का सम्मान

जबलपुर। रोटरी क्लब जबलपुर एक्सीलेंस का 24वां चार्टर डे समारोह हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष रोटे. शैलेन्द्र जेठा, सचिव रोटे. राजेश पटेल एवं कोषाध्यक्ष रोटे. अभिषेक केसरवानी ने राष्ट्रगान के साथ किया। समारोह में चार्टर सदस्यों PP रोटे. अखिलेश बादशाह, PP रोटे. आर.के. चौकसे, डॉ. योगेश शर्मा, डॉ. एम.एल.वी. राव एवं PP रोटे. अंकुर पाहवा को स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। चार्टर सदस्यों ने क्लब की 24 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा और सामाजिक सेवा गतिविधियों में अपने योगदान को साझा किया। अतिथियों एवं चार्टर सदस्यों का स्वागत रोटे. आशीष जैन, रोटे. अभिषेक केसरवानी, रोटे. जयंत गुप्ता एवं PP रोटे. अशोक साहू सहित क्लब सदस्यों ने किया। वक्ताओं ने क्लब की सेवा, समर्पण एवं सामाजिक सरोकारों में उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए चार्टर सदस्यों एवं पूर्व पदाधिकारियों के योगदान को महत्वपूर्ण बताया। संचालन PP रोटे. अभिषेक ओसवाल ने किया। समारोह में क्लब पदाधिकारी, सदस्य एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। सभी ने आगामी सेवा कार्यों को और प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।



लोकगाथा शैली में जीवंत हुई रानी दुर्गावती की गौरव गाथा

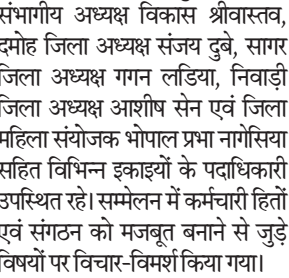
जबलपुर। नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, जबलपुर द्वारा शहीद स्मारक प्रेक्षागृह, गोलबाजार में ‘दुर्गावती गौरव गाथा’ की प्रभावशाली प्रस्तुति की गई। दक्खर सिंह ग्रावर के निर्देशन में प्रस्तुत नाट्य में वीरंगना रानी दुर्गावती के जीवन, व्यक्तित्व, शौर्य एवं बलिदान को लोकगाथा शैली में जीवंत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जबलपुर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष संदीप जैन अग्रवाल, शरद भाई पालन, डॉ. अभिजात कृष्ण निपाठी एवं उदय परांजपे ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। रानी दुर्गावती के जन्म से अंतिम बलिदान तक की जीवन यात्रा को

चंपू शैली में वाचन, लोकसंगीत, लोकनृत्य एवं अभिनय के समन्वय से प्रस्तुत किया गया। सैला, मूसल, करमा, डंडा एवं चाटकोला जैसे लोकनृत्यों ने प्रस्तुति को विशेष लोक रंग प्रदान किया। नृत्य निर्देशन दक्खर सिंह ग्रावर का रहा। प्रस्तुति में माला आक्रमणकारियों के विरुद्ध रानी दुर्गावती के अदम्य साहस, युद्धनीति और नेतृत्व को प्रभावी ढंग से उकेरा गया। लोकधुनों, रणनाद, गाथा-वाचन एवं अभिनय के माध्यम से उनके संघर्ष और बलिदान के प्रसंगों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। गाथा वाचन एवं अभिनय में वरिष्ठ रंगकर्मी का वियथ शर्मा, दक्खर सिंह ग्रावर एवं विकी

तिवारी ने भूमिका निभाई। संगीत निर्देशन संजय पांडे एवं मुरकान धोपे सोनी ने किया। गायन वृंद में मानसी सोनी, समीर सराडे, चेतना बेन, भावना विश्वकर्मा, अर्पिता पटेल, नृत्य दल में प्रेमराज विश्वकर्मा, पराग तेलंग, देवेंद्र झरिया, शंकर भूमिया, दीपाली ठाकुर, हंसिका मिश्रा, भूमिका झरिया एवं श्री गुप्ता ने सहभागिता की। आयोजन की सफलता में श्री जानकी रमन महाविद्यालय, राज सगरी, अभिमन्यु जैन, सुरेश मिश्र विंचर, राजेश दुबे, इंद्र पांडे, रविंद्र मुराह, संजय गर्ग एवं राकेश कुरेले सहित अनेक सहयोगियों का विशेष योगदान रहा।



जबलपुर। पशुपालन एवं डेयरी विभाग तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी विभागीय कर्मचारी कल्याण समिति, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में संभागीय सम्मेलन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में सागर संभाग के दमोह सहित विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में कर्मचारी, संगठन पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. के.पी. कुर्मी, डॉ. डी.डी. चढ़ार, पूर्व उप संचालक डॉ. बी.के. आस्टे एवं डॉ. महेंद्र पटेल उपस्थित रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता समिति के प्रांतीय अध्यक्ष सचिन शर्मा ने की। इस अवसर पर प्रांतीय सचिव विनय कुमार, प्रदेश संयोजक रामेंद्र सिंह कुशवाहा, महिला प्रदेश संयोजक कु. पारुल सोनी, प्रदेश संगठन मंत्री भूपेंद्र चौहान, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य प्रभा साहू, सागर



संभागीय अध्यक्ष विकास श्रीवास्तव, दमोह जिला अध्यक्ष संजय दुबे, सागर जिला अध्यक्ष गगन लडिया, निवाड़ी जिला अध्यक्ष आशीष सेन एवं जिला महिला संयोजक भोपाल प्रभा नागसिया सहित विभिन्न इकाइयों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। सम्मेलन में कर्मचारी हितों एवं संगठन को मजबूत बनाने से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श किया गया।



शहीदों को नमन कर मनाया देशभक्ति का पर्व

जबलपुर। कलचुरी फैमिली क्लब की ओर से देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत देशभक्ति गीतों के साथ हुई। सदस्यों ने शहीदों के बलिदान को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर देशभक्ति से जुड़ी लघु प्रस्तुतियां एवं विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए राष्ट्रप्रेम एवं समर्पण का, संदेश दिया। राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं सामुदायिक जुड़ाव पर भी विचार-विमर्श हुआ। सदस्यों ने कहा कि देशभक्ति केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं, बल्कि देश एवं समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करना भी क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन

यह कि मैं उषादेवी कुलचंदानी, पति श्री प्रेमप्रकाश कुलचंदानी 537/2 ए, प्रेम कोठी, कबीर मार्ग नैपियरटाउन, जबलपुर (म.प्र.) निवासी हूँ। मेरे आधार कार्ड, पैन कार्ड, मार्कशीट में उषादेवी कुलचंदानी नाम ही दर्ज है। सिर्फ पासपोर्ट में उषा कुलचंदानी नाम दर्ज है जो गलत है। कृपया सभी दस्तावेजों में मेरा नाम उषादेवी कुलचंदानी नाम ही दर्ज किया जावें।

गलत नाम- उषा कुलचंदानी
Usha Kulchandani
सही नाम- उषादेवी कुलचंदानी
Ushadevi Kulchandani

नाम परिवर्तन

यह कि मैं जितेंद्र जग्गी, पिता स्व. आशानंद जग्गी (ए.एन. जग्गी) 1389, मदनमहल, जबलपुर (म.प्र.) निवासी हूँ। मेरे आधार कार्ड में जितेंद्र जग्गी लिखा हुआ है, मेरे पासपोर्ट में भूलवश जितेंद्र कुमार जग्गी लिखा गया है। मेरा सही नाम जितेंद्र जग्गी है। कृपया सभी दस्तावेजों में मेरा नाम जितेंद्र जग्गी नाम ही दर्ज किया जावें।

गलत नाम- जितेंद्र कुमार जग्गी
Jitendra Kumar Jaggi
सही नाम- जितेंद्र जग्गी
Jitendra Jaggi

अजूबों में शामिल मिस्त्र के ग्रेट पिरामिड ऑफ गीजा को लेकर एक हैरान कर देने वाली जानकारी सामने आई है। सदियों से रहस्य का केंद्र बने इस विशाल पिरामिड के अंदर एक हाई-टेक रोबोट को एक पतली गुप्त सुरंग के जरिए भेजा गया।

पिरामिड में घुसा हाई-टेक रोबोट : 4500 साल से बंद सीक्रेट दीवार के सामने जाकर रुका

काइरो। लगभग 100 फीट लंबे संकरे रास्ते का सफर तय करने के बाद यह रोबोट एक ऐसे सीलबंद दरवाजे के सामने जाकर पहुंचा, जिसे पिछले 4,500 सालों से किसी इंसान ने नहीं छुआ है। इस खोज ने एक पुराने सवाल का जवाब देने के बजाय एक नया सस्पेंस खड़ा कर दिया है। आखिर, इस 4,500 साल पुराने दरवाजे के पीछे ऐसा क्या छिपा है? हालांकि, अभी तक इस सीलबंद हिस्से को खोला नहीं गया है और न ही इसके अंदर क्या है, इसे लेकर कोई आधिकारिक खुलासा हुआ है।

मिस्रविज्ञानी जाही हवास ने इसको लेकर संकेत दिया है कि वे 2026 के बाद इस रहस्यमयी रास्ते से जुड़े परिणामों को लेकर आधिकारिक रिपोर्ट निकर्षों पर एक आधिकारिक रिपोर्ट जारी करने की योजना बना रहे हैं। उनका मानना है कि यह खोज प्राचीन मिस्त्र के इतिहास और पिरामिड की बनावट को लेकर हमारी समझ को पूरी तरह से बदल सकती है।

थर्मल इमेजिंग, 3 डी मैपिंग, न्यूऑन स्कैनिंग जैसी एडवांस्ड तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा

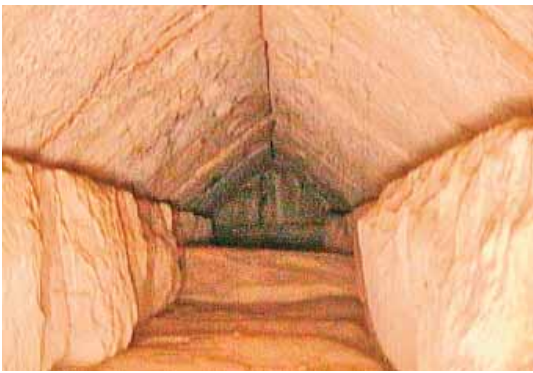


मिस्त्र के सबसे महान राजा से जुड़ा है यह पिरामिड

गीजा का यह पिरामिड राजा खूफु के लिए बनाया गया था, जिसकी बड़ी संरचना में कई अनसुलझे रहस्य मौजूद हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस सीलबंद दरवाजे के पीछे कोई गुप्त खजाना, प्राचीन दस्तावेज या राजा का सीक्रेट रूम हो सकता है। यह खोज मिस्त्र की सभ्यता के कई पन्ने खोल सकती है।

इंसानों का जाना था नागुमकिन

वैज्ञानिकों के लिए पिरामिड के इस पतले और संकरे रास्ते में जाना बहुत ही खतरनाक और जोखिम भरा, नामुमकिन जैसा था। पुरानी पत्थर की संरचना को बिना नुकसान पहुंचाए जांच करने के लिए रिसर्चर्स ने मॉडर्न रोबोटिक और स्कैनिंग टेक्नोलॉजी का सहारा लिया। जब रोबोट इस 100 फीट लंबे गलियारे के आखिरी छोर पर पहुंचा, तो वहां कोई खाली कमरा नहीं मिला, बल्कि एक ठोस पत्थर की दीवार या सीलबंद दरवाजा नजर आया।



खुल रहे हैं प्राचीन पिरामिड के राज

प्राचीन पत्थरों को बिना कोई नुकसान पहुंचाए पिरामिड के अंदर पहुंचने के लिए वैज्ञानिक अब एडवांस तकनीकों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं। इस अभियान में रोबोटिक्स के साथ ही-थर्मल इमेजिंग, 3D मैपिंग, न्यूऑन स्कैनिंग जैसी एडवांस्ड तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। अब पूरी दुनिया की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि 2026 के बाद जब यह रिपोर्ट सामने आएगी, तो इतिहास का कौन सा बड़ा पन्ना खुलेगा।

रोचक खबरें

20 साल की बकरी की मौत पर किसान ने छपवाए कार्ड, 600 लोगों को कराया 13वीं का भोज

विदिशा। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के सिरोंज क्षेत्र से एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसने इंसानियत और बेजुबान जानवरों के प्रति अटूट प्रेम की एक अनूठी और भावुक मिसाल कायम कर दी है। अमूमन शोक सभाएं और तेहरवीं के आयोजन अपनों और परिजनों के जाने पर किए जाते हैं, लेकिन यहां एक किसान ने अपनी 20 साल पुरानी पालतू बकरी के लिए वो सब किया जो अमूमन सगे परिजनों के देहांत पर किया जाता है। सिरोंज के भवानी नगर निवासी किसान नवल सिंह मालवीय की पालतू बकरी, जिसे पूरा परिवार और गांव प्यार से कटोरी उर्फ चमेली कहता था, 3 अगस्त को इस दुनिया को अलविदा कह गई। किसान नवल सिंह मालवीय के लिए ‘कटोरी’ महज एक मवेशी या जानवर नहीं थी, बल्कि परिवार की एक सदस्य और औलाद जैसी थी। कटोरी बीते 20 सालों से नवल सिंह के घर का अहम हिस्सा बनी हुई थी। घर की रानी: वह आम मवेशियों की तरह खुंटे से नहीं बांधी जाती थी, बल्कि बाकायदा घर के अंदर पलंग पर सोती थी और पूरे परिवार के सुख-दुख की साझीदार थी। जब 3 अगस्त को उसकी सांसे थमीं, तो पूरा मालवीय परिवार गमगीन हो गया और घर में चूल्हा तक नहीं जला। नवल सिंह ने अपनी ‘कटोरी’ को अंतिम विदाई देने में कोई कमी नहीं छोड़ी। स्थानीय प्रशासन से बाकायदा अनुमति लेकर कटोरी का पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ अस्थि विसर्जन का कर्मकांड पूरा किया। रिश्तेदारों, परिचितों और ग्रामीणों को तेहरवीं में आमंत्रित करने के लिए बाकायदा शोक संदेश के कार्ड छपवाकर बांटे गए।

तेरहवीं पर 600 लोगों का महाभोज, उमड़ा पूरा गांव

13 दिनों के शोक के बाद 15 अगस्त को गंगाजली खेलने के साथ तेहरवीं का आयोजन किया गया। नवल सिंह ने अपनी प्यारी कटोरी की आत्मशान्ति और याद में एक विशाल भोज का आयोजन किया। इस तेरहवीं में रिश्तेदार, दोस्त और गांव के लगभग 600 लोग शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचे हर एक व्यक्ति को आंखें इस दृश्य को देखकर नम हो गईं और सबने एक बेजुबान के प्रति नवल सिंह के इस असीम समर्पण और प्यार की जमकर तारीफ की।

आसमान से दिखा इंसानी फिंगरप्रिंट जैसा टापू, 2३ किमी तक फैली है पत्थरों की दीवार

जाग्रोब। दुनियाभर में प्रकृति और इंसानों की बनाई गई ऐसी अजीबोगरीब रचनाएं मौजूद हैं, जो अपनी अनूठी बनावट से लोगों को हैरान कर देती हैं। ऐसा ही एक अद्भुत नजारा एंड्रियाटिक सागर में क्रोएशिया के तट के पास देखने को मिलता है। यहां शिबेनिक द्वीपसमूह के पास स्थित बाल्जेनाक नाम का एक छोटा सा टापू इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रहा है। इस टापू की सबसे बड़ी खासियत यह है कि जब आप इसे आसमान से देखेंगे, तो यह इंसान के अंगूठे के निशान यानी एक विशाल फिंगरप्रिंट की तरह दिखाई देता है। महज 1.4 वर्ग किमी में फैला यह अंडाकार टापू दूर से किसी अजूबे से कम नहीं लगता। इसके फिंगरप्रिंट जैसा दिखने की वजह कोई कुदरती कारिगमा नहीं, बल्कि इस पर बनी सूखी पत्थरों की दीवारों का एक बहुत बड़ा जाल है। ये छोटी-छोटी दीवारें और उनके बीच की लकीरें दूर से देखने पर बिल्कुल इंसानी त्वचा की रेखाओं और झुर्रियों जैसी नजर आती हैं। बता दें कि आयरलैंड, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड जैसे कई पश्चिमी यूरोपीय देशों की तरह क्रोएशिया के ग्रामीण इलाकों और तटीय क्षेत्रों में भी पत्थरों की ऐसी दीवारें बनाने की सदियों पुरानी परंपरा रही है। इतिहास में इन दीवारों का निर्माण खेतों की सीमाओं को तय करने के लिए किया जाता था। इनको बनाने की सबसे खास बात यह है कि इन्हें जोड़ने के लिए सीमेंट, चूने या किसी भी तरह के गारे का इस्तेमाल बिल्कुल नहीं किया गया है। इसके बजाय, पुराने जमाने के कुशल कारीगर और किसान पत्थरों को बहुत ध्यान से चुनते थे और उन्हें पहली के टुकड़ों की तरह एक-दूसरे के ऊपर इतनी मजबूती से सेंट करते थे कि वे सदियों तक हिले बिना टिकी रहें। क्रोएशिया का ज्यादातर तटीय इलाका पथरीला है, यानी जमीन पर हर तरफ चट्टानें और पत्थर बिखरे पड़े हैं। खेती करने लायक जमीन तैयार करने के लिए किसानों ने मिट्टी में से इन पत्थरों को चुनकर बाहर निकाला और खेतों के चारों तरफ चौकोर और जालीदार दीवारें खड़ी कर दीं।

वर्ल्ड हेरिटेज साइट की सूची में शामिल

महज आधा किलोमीटर लंबे बाल्जेनाक टापू पर इन दीवारों की कुल लंबाई 23 किलोमीटर से भी ज्यादा है। साल 2018 में यूनेस्को से इस अनोखे आईलैंड और इसकी सूखी पत्थरों की दीवारों को वर्ल्ड हेरिटेज साइट की सूची में शामिल कर लिया। बता दें कि खेतों की सीमाएं तय करने के अलावा इन पत्थरों की दीवारों का एक बहुत बड़ा वैज्ञानिक फायदा भी था। क्रोएशिया के तटीय इलाकों में ‘बुरा’ नाम की बहुत ही तेज और बर्फीली हवाएं चलती हैं, जो फसलों को पूरी तरह तबाह कर देती थीं। पत्थरों की ये ऊंची दीवारें इन तेज हवाओं को रोककर एक सुरक्षा कवच का काम करती थीं, जिससे पथरीले इलाकों में भी खेती करना मुमकिन हो पाता था। बाल्जेनाक के अलावा एंड्रियाटिक सागर के सबसे लंबे तटीय क्षेत्र वाले ‘पाग’ नाम के आईलैंड पर भी किसानों ने पत्थरों की ऐसी दीवारें बनाई हैं, जिनकी कुल लंबाई 1,000 किमी से भी ज्यादा है। इंसानों और प्रकृति के इस अनोखे तालमेल को देखने के लिए आज दुनिया से लोग खिंचे चले आ रहे हैं।

खूबसूरती

अंदर का नजारा देख लोग बोले- ‘वाह ताज!’

भोपाल। ताजमहल को दुनिया सिर्फ प्यार की निशानी के तौर पर नहीं जानती, बल्कि इसकी खूबसूरती और शानदार आर्किटेक्चर भी लोगों को अपनी ओर खींचती है। सफेद संगमरमर, बड़ा गुंबद, चारों तरफ बने मीनार जैसे खंभे और खूबसूरत बगीचे इसकी पहचान हैं। शायद यही वजह है कि ताजमहल जैसा घर बनाने का ख्याल भी अपने आप में बहुत बड़ा सपना लगता है। लेकिन, मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में रहने वाले आनंद प्रकाश चोकसी ने इस सपने को हकीकत में बदलने की कोशिश की है। उन्होंने अपनी पत्नी के लिए ताजमहल से प्रेरित एक बेहद खूबसूरत घर बनवाया है, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में हैं। दरअसल, यह आलीशान घर मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में बनाया गया है, जो असली ताजमहल से करीब 800 किलोमीटर दूर बताया जाता है। आनंद प्रकाश चोकसी ने इस घर को बनवाने का काम साल 2021 में शुरू कराया था। घर को देखकर पहली नजर में ही ताजमहल की झलक दिखाई देती है।

पत्नी के प्यार में रच दिया इतिहास बना डाला ताजमहल जैसा घर



ताजमहल से प्रेरित है घर की पूरी डिजाइन

आनंद प्रकाश चोकसी ने इस घर को सिर्फ बाहर से ताजमहल जैसा दिखावे की कोशिश नहीं की, बल्कि इसकी डिजाइन में ताजमहल की कई बारीकियों को भी शामिल किया है। घर का आकार, गुंबद, बाहरी संरचना और दूसरी डिजाइन की ताजमहल से प्रेरित रखा गया है। वीडियो के आखिर में खुद आनंद प्रकाश चोकसी भी नजर आते हैं। वह बताते हैं कि घर को तैयार करते समय असली ताजमहल की माप का भी ध्यान रखा गया था। बताया गया कि ताजमहल की माप मीटर में ली गई और फिर उसी अनुपात को फीट में बदलकर घर की डिजाइन तैयार की गई। आमतौर पर लोग अपने घर को खूबसूरत बनाने के लिए अलग-अलग तरह की डिजाइन चुनते हैं, लेकिन ताजमहल से प्रेरित पूरा घर बनवाना अपने आप में काफी अलग बात है।

सफेद रंग और खूबसूरत बगीचे

ताजमहल की खूबसूरती में सफेद रंग और उसके आसपास का हरा-भरा बगीचा बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। आनंद प्रकाश चोकसी के घर में भी इन दोनों चीजों का खास ध्यान रखा गया है। घर का बाहरी हिस्सा सफेद रंग में तैयार किया गया है और आसपास हरियाली भी दिखाई देती है। घर की डिजाइन में ताजमहल के बड़े गुंबद से लेकर उसके आसपास नजर आने वाली मीनारों जैसी संरचनाओं को भी शामिल किया गया है।



अंदर का लुक भी बेहद शानदार

इस घर की एक खास बात इसकी ऊंची छत है। रिपोर्ट के मुताबिक, घर की छत करीब 24 फीट ऊंची है। इतनी ऊंची छत आम घरों में देखने को नहीं मिलती और यही चीज इसके अंदर के हिस्से को काफी खुला और भव्य बनाती है। घर के अंदर पहुंचने पर इसकी सजावट भी लोगों का ध्यान खींचती है। वीडियो में शुभम ने इसके इंटीरियर को फिल्में में दिखने वाले आलीशान घरों जैसा बताया. घर की सीढ़ियों को भी रॉयल अंदाज में डिजाइन किया गया है। खूबसूरत लाइट्स, पेंटिंग्स, सोफे और कुर्सी आदि की दूसरी चीजों ने पूरे इंटीरियर को काफी शानदार बना दिया है।

रोबोटिक आर्म के सहारे स्पेस में उतरे भारतीय मूल के अनिल

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष की दुनिया में भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन ने एक बार फिर नया इतिहास रच दिया है। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से उन्होंने मात्र 10 दिनों के अंदर अपनी दूसरी स्पेसवाक 18 अगस्त, मंगलवार को शुरू कर दी है। इस बार अनिल मेनन स्पेस स्टेशन के मरम्मत करने के लिए बाहर निकले हैं। इस बहुत ही कठिन और जरूरी मिशन में उनके साथ यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की सोफी एडेनोट भी शामिल हैं, जो स्पेसवाक करने वाली फ्रांस की पहली महिला अंतरिक्ष यात्री बन गई हैं।

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के अनिल मेनन और यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी की अंतरिक्ष यात्री सोफी एडेनोट इस मिशन के तहत करीब साढ़े छह घंटे तक स्पेस स्टेशन के बाहर रहेंगे. यह मिशन 18 अगस्त को दोपहर करीब 01:35 बजे से शुरू हो गया है। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस-टू-ग्राउंड एंटीना बदलने का काम सौंपा गया है।



हटेगा पुराना एंटीना

इस ऑपरेशन के दौरान दोनों अंतरिक्ष यात्री स्टेशन के जेड4 टूस सेगमेंट से पुराने एंटीना को हटाएंगे और उसकी जगह एक बाहरी प्लेटफॉर्म पर रखे स्पेयर यानी अतिरिक्त एंटीना को लगाएंगे। इस काम के लिए कई नाजुक इलेक्ट्रिकल और डेटा कनेक्शनों को कनेक्ट करना होगा, जिससे नए हार्डवेयर को ऑन किया जा सके। इस मिशन की सबसे मुख्य बात यह है कि अनिल मेनन स्पेस स्टेशन के बाहर काम करते समय कनाडाआर्म2 रोबोटिक आर्म पर सवार होंगे. इसकी सहायता से वह स्पेस स्टेशन के उस हिस्से तक पहुंचेंगे, जहां पहुंचना मुश्किल है।

सूखते तालाब ने उगला 10 करोड़ साल पुराना राज

बैंकाक। थाईलैंड के एक छोटे से गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सूखते हुए तालाब के किनारे ग्रामीणों को कुछ अजीबोगरीब चट्टानें दिखाई दीं। शुरूआत में लोगों ने इसे मामूली पत्थर समझा, लेकिन जब वैज्ञानिकों की टीम ने इसकी जांच की तो उनके होश उड़ गए। यह कोई साधारण पत्थर नहीं, बल्कि 10 करोड़ साल पुराना एक विशालकाय डायनासोर का कंकाल था। वैज्ञानिकों ने इसे ‘नागाटाइटन चायफुमेंसिस’ नाम दिया है, जिसे दक्षिण पूर्व एशिया में अब तक खोजा गया सबसे बड़ा डायनासोर माना जा रहा है।

तालाब के किनारे छिपा था विशालकाय ढांचा : साल 2016 में जब थाईलैंड के चायफुम प्रांत में तालाब का पानी सूखा, तो किनारे पर कुछ भारी-भरकम पत्थर उभरे। वैज्ञानिक शोध के बाद यह साफ



होता था। अगर इसकी तुलना आज के जीवों से करें तो इसका वजन लगभग 9 एशियाई हाथियों के बराबर था। सिर से लेकर पूंछ तक इसकी लंबाई करीब 27 मीटर थी। हालांकि, यह दुनिया का सबसे बड़ा डायनासोर नहीं था, लेकिन दक्षिण पूर्व एशिया के इतिहास में इतना बड़ा शाकाहारी जीव पहले कभी नहीं देखा गया।

जब धरती पर इंसान का नामो-निशान नहीं था, तब भी मौजूद थे ये रंग-बिरंगे मेंढक!

नई दिल्ली। उत्तर भारत के हरे-भरे जंगल न केवल देखने में बेहद खूबसूरत हैं, बल्कि अपने आप में दुनियाभर की विविधता समेटे हुए हैं। अब वैज्ञानिकों ने इन जंगलों में मेंढकों (केस्केड फ्रॉग) की तीन नई प्रजातियों की खोज की है। ये खास मेंढक वहां पर तेज बहाव वाली नदियों और झरनों में पाए जाते हैं। इसके साथ ही भारत में पहली बार इस मेंढक की पांच अन्य प्रजातियों को भी दर्ज किया गया है।

मेंढकों की 3 नई प्रजातियों की हुई खोज : यह स्टडी दिल्ली



यूनिवर्सिटी के पर्यावरण अध्ययन विभाग के प्रो. एस. डी. बीजू की अगुवाई में वैज्ञानिकों की टीम ने की। इसके लिए टीम ने उत्तर-पूर्वी राज्यों में 15 सालों से भी ज्यादा समय तक रिसर्च की, जिसके बाद यह खोज सामने आई. अब यह स्टडी ‘बुलेंटिन

ऑफ द म्यूजियम ऑफ कंपैरेटिव जूलॉजी’ में प्रकाशित की गई है। रिसर्च के दौरान वैज्ञानिकों ने नदी और झरनों के तेज बहाव में रहने वाले मेंढकों की 300 से ज्यादा आबादी का अध्ययन किया। इसके बाद उनकी डीएनए जांच और शारीरिक बनावट की तुलना की गई, जिसके बाद तीन नई प्रजातियों के होने की पुष्टि हुई।

केरल की समाजसेविका पर हुआ नामकरण : प्रो. एस. डी. बीजू ने जिन 3 प्रजातियों की खोज की, उनमें अम्माची केस्केड फ्रॉग त्रिपुरा की जमुई पहाड़ियों में मिली। बीजू की टीम ने इस प्रजाति का नामकरण केरल की समाज सेविका रहीं पद्मिनी वर्गीस के नाम पर किया। उन्होंने केरल में कई लोग ‘अम्माची’ (मां) कहकर पुकारते थे। इसी तरह दूसरी प्रजाति नागालैंड में खोजी गई, जिसका नाम सेंडेन्यु केस्केड फ्रॉग रखा गया। यह नाम वहां के स्थानीय ‘सेंडेन्यु गांव’ के नाम पर रखा गया। वहीं, मेंढकों की तीसरी प्रजाति पश्चिम बंगाल में पाई गई। इन मेंढकों के शरीर का रंग हरा मिला और उन पर पीले-हरे या लाल-भूरे रंग का प्राकृतिक डिजाइन बना था। जिसके चलते उसे ब्यूटीफुल केस्केड फ्रॉग नाम दिया गया।

3 करोड़ साल पुराना निकला मेंढकों का इतिहास

वैज्ञानिकों ने मेंढकों की इन तीनों प्रजातियों के बारे में और जानने का फैसला किया। इसके लिए उन्होंने मेंढकों के विकास को समझने के लिए उनके इवोल्यूशनरी हिस्ट्री को समझने के लिए डीएनए-बेस्ड डेटिंग की। इससे पता चला कि इन मेंढकों का इतिहास करीब 3 करोड़ साल पुराना है। ये मेंढक लगभग 3.2 करोड़ साल पहले (इओसीन-ओलिगोसीन काल के दौरान) अलग-अलग प्रजातियों में विकसित होने लगे थे। स्टडी में यह भी पता चला कि एशिया में इन मेंढकों का विकास पूर्व से पश्चिम की ओर कई चरणों में हुआ। हिमालय का शुरुआती निर्माण इनकी प्रजातियों के विकास और फैलाव का एक मुख्य कारक रहा।

हैदराबाद में जन्मे रोहन की दुनिया में चर्चा, ब्लैक होल स्टार से किया कमाल



वॉशिंगटन। पिछले हफ्ते खगोलविदों को एक ऐसी चीज मिली, जिसने उनकी इस बात को लेकर दिलचस्पी बढ़ा दी कि क्या वह कोई तारा था या ब्लैक होल। सौर मंडल के आकार की और गैस के बादल से घिरी यह चीज किसी भी ज्ञात तारे की तुलना में 100 अरब गुना ज्यादा ऊर्जा पैदा करती है। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप से देखकर खगोलविदों ने इसे ब्लैक होल स्टार का नाम दिया है। इस खोज के केंद्र में हैदराबाद में जन्मे खगोलविद रोहन नायडू हैं। रोहन ने ही इस स्टडी को लीड किया है। हैदराबाद में जन्मे खगोलशास्त्री रोहन नायडू ने अंतरिक्ष के प्रति अपने जुनून को पूरा करने के लिए कुछ साल पहले इंजीनियरिंग कॉलेज छोड़ दिया था। अब वह अपनी खोज के चलते दुनिया की नजर में हैं और तारीफें बटोर रहे हैं। उनकी यह स्टडी तारों और ब्लैक होल के व्यवहार के बारे में पारंपरिक विचारों को सीधेतौर पर चुनौती दे रही है।

क्या खोज की है?

नायडू उस टीम के मुख्य शोधकर्ता हैं, जिसने ब्लैक होल स्टार्स की पहचान की है। उन्होंने इसे असाधारण भौतिकी कहा है। डॉक्टर रोहन नायडू ने कहा कि हम एक नए प्रकार की एस्ट्रोफिजिकल वस्तु का अध्ययन करने के लिए उत्साहित हैं। इसमें अभी बहुत कुछ करना बाकी है। नायडू और उनकी टीम ने शुरुआती बल्मांड में एक असाधारण रूप से कमकदर लाल चीज की पहचान की। एमओएच-बीएच नाम की चीज का पता सेट्स या ट्वेल तारामंडल में चला, जो पृथ्वी से अरबों प्रकाश-वर्ष दूर है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह बिग बैंग के लगभग 660 मिलियन साल बाद अस्तित्व में आई थी।

इंसानियत अमी जिंदा है!

2 साल पहले खोया 24 हजार से भरा बैग, इमानदार कंडक्टर ने ऐसे लौटाया

मुंबई। पब्लिक बस में सफर के दौरान अगर कोई जरूरी सामान या पैसे छूट जाएं, तो ज्यादातर लोगों को यही लगता है कि अब वह सामान शायद कभी वापस नहीं मिलेगा, लेकिन महाराष्ट्र में एक बस कंडक्टर की ईमानदारी ने इस सोच को गलत साबित कर दिया। उन्होंने न सिर्फ दो साल तक एक बुजुर्ग महिला का खोया हुआ सामान संभालकर रखा, बल्कि लगातार उसकी असली मालिक की तलाश भी करते रहे। आखिरकार किस्मत ने दोनों को फिर उसी बस रूट पर मिला दिया और महिला को उसका खोया हुआ बैग वापस मिल गया। यह मामला कसाबाई गायकवाड़ का है, जो साल 2024 में छत्रपति संभाजीनगर से वाशिम के बीच बस से सफर कर रही थीं। सफर के दौरान उनका एक बैग बस में ही छूट गया। इस बैग में करीब 24 हजार रुपए थे। इसके अलावा उसमें उनके कुछ जरूरी मेडिकल दस्तावेज भी रखे हुए थे। बस से उतरने के बाद जब उन्हें अपने बैग के बारे में पता चला, तब तक काफी देर हो चुकी थी। गायकवाड़ ने मान लिया कि उनका पैसा और जरूरी कागजात अब शायद कभी वापस नहीं मिलेंगे। उन्हें क्या पता था कि उनका बैग किसी ऐसे शख्स के हाथ लगा है, जो उसे लौटाने के लिए पूरी ईमानदारी से कोशिश कर रहा है। बस के कंडक्टर राजू वाणी को वह बैग मिला था। बैग मिलने के बाद उन्होंने न सिर्फ उसे अपने पास रखने के बजाय तुरंत वाशिम बस डिपो में जमा करा दिया। लेकिन, उनकी जिम्मेदारी यहीं खत्म नहीं हुई। वाणी लगातार उस महिला की तलाश करते रहे, जिसकी चीजें उनके हाथ लगी थीं। करीब दो साल तक उन्होंने बैग के सही मालिक को ढूंढने की कोशिश जारी रखी। इतने लंबे समय के बाद शायद किसी और ने उम्मीद छोड़ दी होती, लेकिन वाणी ने ऐसा नहीं किया। वह लगातार इस इंतजार में थे कि किसी दिन उस बैग की मालकिन तक सामान पहुंचाया जा सके। फिर एक दिन अचानक ऐसा मौका आया, जिसकी शायद दोनों ने कल्पना भी नहीं की थी। गायकवाड़ दोबारा उसी बस रूट पर सफर कर रही थीं और संयोग से उस बस में कंडक्टर राजू वाणी ही ड्यूटी पर थे। जैसे ही वाणी ने उन्हें पहचाना, दो साल से संभालकर रखा गया सामान आखिरकार अपनी असली मालिक तक पहुंच गया।

त्योहार से पहले अचानक हवाई टिकट के दाम बढ़ने पर सुप्रीम कोर्ट हुआ नाराज

सरकार ने कहा- नए नियम बनाने की प्रक्रिया अंतिम दौर में

एजेंसी ► नई दिल्ली

त्योहारों और छुट्टियों के दौरान हवाई टिकटों के दाम अचानक बढ़ने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सख्त टिप्पणी की है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि अगर एयरलाइंस तय नियमों का पालन नहीं कर रही हैं तो उनकी उड़ानें रोक दी जाएं। कोर्ट ने कहा कि यात्रियों के हित में व्यवस्था तो बनाई गई है, लेकिन उसके पालन और नियमन को लेकर अभी स्थिति साफ नहीं है।

मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल अनिल कौशिक ने बताया कि हवाई किराए और शुल्क से जुड़े नए नियम बनाने की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। उन्होंने कोर्ट को सोलबंद लिफाफे में नियमों का मसौदा भी सौंपा। केंद्र ने कहा कि नियमों को अंतिम रूप देने में तीन हफ्ते का समय लगेगा और इसके बाद इसे कोर्ट के विचार के लिए पेश किया जाएगा।

राजनीति में अपराधीकरण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी रिपोर्ट 326 सांसदों, 14 मुख्यमंत्रियों के खिलाफ आपराधिक केस

हरिभूमि न्यूज ► नई दिल्ली

राजनीति में अपराधीकरण के संबंध में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी गई एक रिपोर्ट में बताया गया है कि लोकसभा के 543 सदस्यों में से 251 और राज्यसभा के 233 सदस्यों में से 75 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील विजय हंसारिया ने एक हलफनामा दायर किया है। उन्हें सांसदों और विधायकों के खिलाफ आपराधिक मामलों के जल्द निपटारे की मांग वाली जनहित याचिका (पीआईएन) में 'न्यायमित्र' (अदालत की मदद करने वाला वकील) नियुक्त किया गया है।

विडिंजम सीपोर्ट पर इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट ऑपरेशन शुरू, विदेशी ट्रांशशिपमेंट पर निर्भरता होगी कम

जबलपुर। केरल के विडिंजम इंटरनेशनल सीपोर्ट पर पूर्ण रूप से इम्पोर्ट-एक्सपोर्ट ऑपरेशन शुरू हो गए हैं। इससे भारत की विदेशी ट्रांशशिपमेंट बंदरगाहों पर निर्भरता कम होने, ट्रांजिट टाइम घटने और सप्लाई चेन की दक्षता बढ़ने की उम्मीद है। कार्यक्रम में केरल के मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन ने विडिंजम को दुनिया के लिए केरल का नया गेटवे बताते हुए मजबूत सड़क-रेल कनेक्टिविटी और मित्रो विवेश बढाने पर जोर दिया। उन्होंने रिग रोड के लिए भूमि अधिग्रहण हेतु ३,200 करोड़ रुपये आवंटित करने की उम्मीद है। अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक अश्वनी गुप्ता ने कहा कि विडिंजम भारत के उद्यम और वैश्विक बाजारों के बीच नया गेटवे बनेगा। विडिंजम की भौगोलिक स्थिति और 18-



20 मीटर प्राकृतिक ड्राफ्ट इसे बड़े कंटेनर जहाजों के लिए उपयुक्त बनाते हैं। वर्तमान में भारत के 75 प्रतिशत से अधिक कंटेनर ट्रांशशिपमेंट कार्गो विदेशी बंदरगाहों के माध्यम से संभाला जाता है। एक्विजम संचालन से केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक के कारोबार को अंतरराष्ट्रीय शिपिंग नेटवर्क तक सीधी पहुंच मिलने की उम्मीद है। दूसरे चरण के तहत 16,000 करोड़ रुपये के विस्तार से विडिंजम परियोजना में अदानी समूह का कुल निवेश करीब 30,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की बात कही गई है। इससे पोर्ट की क्षमता

बढ़कर 57 लाख TEUs वार्षिक होने के साथ 1,200 मीटर कंटेनर बर्थ, रेल-रोड कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स पार्क एवं वेयरहाउसिंग सुविधाएं विकसित की जाएंगी। विस्तार कार्य दिसंबर 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य है। विडिंजम में वाणिज्यिक संचालन 3 दिसंबर 2024 से शुरू हुआ था। तब से पोर्ट 1,100 से अधिक जहाजों और 22.8 लाख से ज्यादा TEUs कार्गो को संभाल चुका है, जिनमें 80 से अधिक अल्ट्रा लाज कंटेनर वेस्टरस शामिल हैं। परियोजना से 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर बनने की उम्मीद है।



छत्तीसगढ़ में सिर्फ एक सांसद

छत्तीसगढ़ (11 सांसद) और हरियाणा (10 सांसद) में से सिर्फ एक-एक सांसद पर आपराधिक मामले हैं। पंजाब में 13 में से दो, असम में 14 में से तीन, दिल्ली में सात में से तीन, राजस्थान में 25 में से चार, गुजरात में 25 में से पांच और मध्य प्रदेश में 29 में से नौ सांसदों पर आपराधिक मामले हैं।

निगरानी की मांग

न्यायमित्र ने इस बात पर जोर दिया है कि सांसद/विधायक के खिलाफ निवारसी आदेश चुनौती से निस्तारण के लिए सुप्रीम कोर्ट को उन पर नजर रखनी चाहिए। उन्होंने मांग की है कि सांसद/विधायक के लिए तय की गई विशेष अदालत सिर्फ सांसद/विधायक के खिलाफ मुकदमों की सुनवाई करे और जब इन मामलों की सुनवाई पूरी हो जाए, तभी दूसरे मामलों को लिया जाए। हंसारिया, विधि निर्माताओं के खिलाफ मामलों के जल्द निस्तारण के लिए अश्वनी उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका में न्यायालय की मदद कर रहे हैं।

छग हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

दूसरी पत्नी के सरकारी नौकरी में होने पर बेटे को नहीं मिलेगी अनुकंपा

हरिभूमि न्यूज ► बिलासपुर

हाईकोर्ट ने अनुकंपा नियुक्ति के एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि यदि मृत सरकारी कर्मचारी के परिवार का कोई अन्य सदस्य पहले से शासकीय सेवा में है, तो परिवार के दूसरे सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल सकता। जस्टिस बिभु दत्ता गुरु ने पुलिस विभाग के दिवंगत अधिकारी के बेटे आदित्य चौहान की याचिका खारिज करते हुए कहा कि नीति में स्पष्टअयोग्यता होने पर केवल आर्थिक निर्भरता या पारिवारिक परिस्थितियों के आधार पर

नियमों में छूट नहीं दी जा सकती। यह मामला जरापुर निवासी आदित्य चौहान से संबंधित है, जिनके पिता लक्ष्मण दास चौहान पुलिस विभाग में उप पुलिस अधीक्षक थे।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।



पश्चिम मध्य रेल खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में वरिष्ठ मंडल अभियान (समन्वय), मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), पश्चिम मध्य रेलवे, जबलपुर के द्वारा आमंत्रित की जाती है। (1) निविदा सूचना क्रमांक: डी.आर.एन डब्ल्यू-जे.बी.पी.-149-2026, दिनांक: 10.08.2026 कार्य का नाम लोकेशन सहित: सहायक मंडल अभियान (उत्तर), सलना उप-मंडल के अंतर्गत मारकुंडी रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म को आर.एल./एल.एल. से एच.एल. स्तर तक ऊंचा करने का कार्य। (कार्य का हिस्सा- 7 स्टेशनों सोहागपुर, बोहानी, मिटौनी, भेड़ाघाट, अमदर, मारकुंडी एवं लगसराव के प्लेटफॉर्मों को आर.एल./एल.एल. से एच.एल. स्तर तक ऊंचा करने का कार्य।) कार्य का अनुमानित मूल्य: ₹1,87,18,939/- बयाना राशि: ₹ 3,74,400/- समापन अवधि: 12 माह निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तक: 04/09/2026 निविदा खुलने की तिथि एवं समय 15.15 बजे: 04/09/2026. उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट <https://ireps.gov.in> पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर चरखा की गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

मंडल रेल प्रबंधक (यांत्रिक), प.म.रे., जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

बाएँ से दाए-

- सफ़ल, उत्तीर्ण-4
- ओस, रजनीजल-4
- फरार होना, वंपत होना, पलायन करना-5
- महीना, मास-2
- साल का बारहवां भाग-2
- विष्णु, चक्रधारी-4
- निरुत्तर होना-5
- अपनक्व-5
- असम के इस शहर को बादलों का घर कहा जाता है-4
- निकुंठ, अल्पतर-4
- अंधकार-2
- बुरा आदत-2
- रसायन संबंधी-5
- ब्राम्हण, सम्राट-4
- गजानन, गणपति-4

ऊपर से नीचे

- मां, आई, मदर-2
- बारिश का गिरना-4
- निर्माता, रचयिता-5
- लज्जाना-4
- मुलायम-2
- उम्मीद-2
- हार, जयमाल-2
- हरे रंग का-2
- वचन, प्रतिज्ञा-2
- हैंडलूम, इस यंत्र पर धागों से बुनाई होती है-5
- जनेऊ, उपनयन संस्कार-5
- विलेन, नायक का विलोम-5
- बादल-2
- बुरी आदत-2
- यम, मृत्यु का देवता-4

23. पानी के बहने की

- आवाज-2, 2
- वोट, अभिमत-2
- इस जगह-2
- कारावास, बंधन-2

शब्द पहली - 6320 का हल

क	ल	ह	म	प	र	दा	न	शी
कु	क	ल	श	छ	की	ल	त	
न	ल	व	ता	सा	ल			
म	क	व	श	धा	म	हा	न	ता
वा	दा	मा	स					
ह	म	र	शी	पा	फ	मा	न	
बू	क	हा	सी	का	र			
ख	र	शी			क	न		
प	ब	र	खा	ना	र	द	य	
त	र	स	ख	ना	मा	म	न	न

सूडोकू नवताल - 6331

				1	4			
					5	8		
				7	2			
		2					6	7
4								
5	8				9			3
				8	5			
	7	6						
		9	3					

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
■ पहली का केवल एक ही हल है।

7	8	9	2	3	1	6	5	4
3	2	4	6	5	9	7	8	1
6	5	1	8	4	7	2	9	3
5	1	7	3	9	8	4	6	2
4	6	8	5	1	2	9	3	7
9	3	2	4	7	6	8	1	5
1	4	6	9	2	3	5	7	8
2	9	3	7	8	5	1	4	6
8	7	5	1	6	4	3	2	9



प्रेम कीटाणु का टीजर रिलीज, दोस्ती के किस्से और प्यार के लफड़े

मुंबई। वीर पाहड़िया की फिल्म 'प्रेम कीटाणु' का टीजर सामने आ चुका है। यह काफी मजेदार है और इससे फिल्म की कहानी का अंदाजा हो रहा है। फिल्म कॉलेज लाइफ पर आधारित है और वीर पाहड़िया छात्र बने दिख रहे हैं। कॉलेज लाइफ वाली मस्ती है और इश्क-मोहब्बत वाले चक्कर भी हैं। टीजर की शुरुआत रैपिंग के एक सीन से होती

है। छात्रों का पूरा गुट है और सीनियर रैपिंग करते दिख रहे हैं। आगे कई मजेदार डायलॉग और सीन हैं। वीर बैक बैचर स्टूडेंट बने दिख रहे हैं। उन्हें श्राप मिला है। वह क्या है? यह आपको टीजर देखकर पता चलेगा। टीजर जारी करते हुए वीर पाहड़िया ने लिखा है, 'दोस्ती के किस्से हो या प्यार के लफड़े। लाइफ इनके बिना अधूरी है।'

लाइफ Style

बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' प्रियंका चोपड़ा अक्सर अपने कूल और बेबाक अंदाज के लिए जानी जाती है। हाल ही में 40 की उम्र पार कर चुकी प्रियंका ने अपनी एज ग्रुप के लोगों की लाइफस्टाइल और माइंडसेट पर एक बहुत ही मजेदार और रिलेटेबल पोस्ट शेयर किया है।

40 की उम्र में कोई टाइमलाइन नहीं

एजेंसी ► नई दिल्ली

प्रियंका ने बताया कि 40 की उम्र में लाइफ की कोई फिक्स टाइमलाइन नहीं होती, बल्कि यह सिर्फ कूल वाइब्स और मस्ती के बारे में होती है। प्रियंका चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक बहुत ही फनी नोट शेयर किया। इस नोट में उन्होंने समझाया कि 40 की उम्र का फेज कितना अजीब और मजेदार होता है। उन्होंने लिखा कि इस उम्र में एक दोस्त दादी बन चुकी होती है, तो वहीं दूसरी का अभी-अभी नया बच्चा हुआ होता है। कोई अपनी मैरिज की 20वीं एनिवर्सरी सेलिब्रेट कर रहा होता है, तो कोई 25 साल के यंग लड़के को डेट कर रहा होता है। प्रियंका ने चुटकी लेते हुए कहा कि हममें से आधे लोग तो आज भी 28 साल के लगते हैं, लेकिन बाकी आधे लोग ऐसे हैं जिनकी सोते-सोते ही मसल में खिंचाव आ जाता है। 40 की एज में कोई फिक्स टाइमलाइन नहीं होती, बस अपनी-अपनी वाइब्स होती हैं। अगर प्रियंका चोपड़ा के वर्कफ्रंट की बात करें, तो वह जल्द ही डायरेक्टर एसएस राजामौली की अपकमिंग पैन इंडिया फिल्म 'वाराणसी' से इंडियन सिनेमा में धमाकेदार कमबैक करने जा रही हैं। इस फिल्म के जरिए वह अपना तमिल सिनेमा डेब्यू भी करेंगी।



हॉलीवुड मसाला



एक्स-मैन के सितारों से उठा परदा

लॉस एंजिल्स। मार्वल स्टूडियोज ने अपनी लाइव-एक्शन फिल्म एक्स-मैन रीबूट का ऐलान कर दिया है। इसका निर्देशन जेक श्येर करेंगे। फिल्म का टाइटल फिलहाल तय नहीं। मगर, फिलहाल इसकी स्टारकास्ट को लेकर दिलचस्प खुलासा हुआ है। डी-23 इवेंट में फिल्म के सितारों से परदा उठा। फिल्म 'एक्स-मैन' में क्रिस्टोफर रॉबर्ट को चार्ल्स जेवियर यानी प्रोफेसर एक्स का रोल निभाते देखा जाएगा। उनके अलावा एडम ड्राइवर और 'ऑब्सेशन' से चर्चा में आई अभिनेत्री इडे नवारेटे भी फिल्म का हिस्सा बनी हैं।



हत्या की गुत्थी सुलझाती दिखेंगी निमिषा

मुंबई। सोमवार को अभिनेता बरुन सोबती की अगली फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' की रिलीज डेट मेकर्स ने जारी की। यह एक इन्वेस्टिगटिव ड्रामा पर आधारित है। फिल्म एक हत्या के केस और उसकी तहकीकात से जुड़ी है। इसे 'पाताल लोक' के मेकर्स ने ही बनाया है। फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' में मुख्य किरदार बबीता सिंह नाम की एक एसआई का है, जिसके पास एक हत्या का केस आता है। इस दौरान उसका सामना कई रहस्यों और खतरों से होता है। फिल्म की कहानी एसआई के जीवन की मुश्किलों पर बात करती है। इस पूरे सफर में वह खुद की खोज भी करती है। फिल्म 'बबीता सिंह रिपोर्टिंग' 28 अगस्त से प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। एसएसआई बबीता सिंह उर्फ बेबी का रोल निमिषा सजयन ने निभाया है।



फिर लौटेगी इमरान हिमेश की जोड़ी

मुंबई। अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'आवापान 2' की सफलता को देखते हुए इमरान हाशमी ने सोमवार को अपनी फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस कर दी। इमरान की अगली फिल्म होगी 'गन मास्टर जी9' जो इसी साल रिलीज होगी। खास बात यह है कि इस फिल्म का म्यूजिक हिमेश रेशमिया ने दिया है। इसके जरिए इमरान और हिमेश की हिट जोड़ी कई साल बाद साथ काम करेगी। फिल्म 'गन मास्टर जी9' की जानकारी इमरान और मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए फैस को दी। फिल्म में इमरान हाशमी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इसमें उनके अपोजिट जेनेलिया डिसूजा फीमेल लीड रोल में होंगी। अपारशक्ति खुराना भी फिल्म में अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे। फिल्म का निर्माण दीपक मुकुट, संगीता अहोर और हुनर मुकुट ने किया है।



हीरोज और नैशविले शो से हासिल की थी लोकप्रियता

लॉस एंजिल्स। चर्चित अमेरिकन अभिनेत्री हेडन पैनेटीयर का 36 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। बतौर बाल कलाकार कैरियर शुरू करने वाली हेडन ने बाद में 'हीरोज' और 'नैशविले' जैसे शो के जरिए लोकप्रियता हासिल की। हेडन पैनेटीयर ने कैरियर बतौर बाल कलाकार शुरू किया था। बाद में उन्होंने टेलीविजन और फिल्मों में अपनी पहचान बनाई। उन्हें 'साईंस-फिक्शन ड्रामा 'हीरोज' में चलेयर बेनेट के किरदार से अच्छी लोकप्रियता मिली। बाद में उन्होंने म्यूजिकल ड्रामा 'नैशविले' में जूलियट बार्न्स का रोल निभाया, जिसे उन्होंने 2012 से 2018 तक किया। हेडन की फिल्मों में रिमेंबर द टाइटल्स, रेंजिंग हेलेन, आइस प्रिसेस, आई लव यू, बेथ कूपर, स्क्रीम 4 और 'स्क्रीम 5 शामिल हैं।

टीवी मसाला



अमिताभ ने अपने सरनेम के पीछे की बताई कहानी

नई दिल्ली। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन आज हिंदी सिनेमा की पहचान बन चुके हैं। बिग बी के सरनेम के पीछे की कहानी बेहद दिलचस्प है। हाल ही में 'कोन बनेगा करोड़पति 18' के एक एपिसोड में अमिताभ ने खुद बताया कि उनके पिता और महान हिंदी कवि हरिवंश राय बच्चन ने जाति व्यवस्था से दूरी बनाए रखने के लिए परिवार के लिए 'बच्चन' सरनेम चुना था। शो में कंटेस्टेंट डॉ. जागृति ने बताया कि उनकी जड़ें प्रयागराज से हैं और उन्होंने सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल में पढ़ाई की है। यह सुनकर अमिताभ ने अपने बचपन के दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि सेंट मेरी कॉन्वेंट उनका भी पहला स्कूल था। इसी दौरान उन्होंने अपने सरनेम से जुड़ा किस्सा साझा किया। अमिताभ ने बताया कि जब उनके माता-पिता उन्हें स्कूल में दाखिल दिलाने ले गए, तो फॉर्म में जाति का कॉलम भी था। उनके पिता हरिवंश राय बच्चन हमेशा से ही जातिवाद के खिलाफ थे और उन्हें जाति के आधार पर पहचान पसंद नहीं थी। ऐसे में उन्होंने उस कॉलम में अपनी जाति के तौर पर 'बच्चन' लिख दिया। यही आगे चलकर परिवार का सरनेम बन गया और अमिताभ बच्चन की पहचान का हिस्सा भी। अमिताभ के जन्म के समय उनका नाम अमिताभ श्रीवास्तव था। उनका जन्म 11 अक्टूबर 1942 को इलाहाबाद, जिसे अब प्रयागराज कहा जाता है, में हुआ था। उनके पिता हरिवंश राय बच्चन हिंदी साहित्य के दिग्गज कवियों में शामिल थे। मधुशाला उनकी सबसे चर्चित रचनाओं में से एक है।

फरहाना पर मड़क गई थीं अविा, अब मांगी माफी

नई दिल्ली। एक्ट्रेस अविा गौर इन दिनों रोहित शेट्टी के स्टंट रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 15 को लेकर खूब सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में शो के दौरान अविा गौर और फरहान मट्टु के बीच भी एक छोटी सी अनबन देखने को मिली थी। दरअसल, शो में एक टास्क के दौरान अविा गौर को फरहाना मट्टु की टीम में शामिल किया गया था। जब अविा उनकी टीम में आईं, तो फरहाना ने बड़े ही प्यार से उनका वेलकम किया और अच्छे गेम के लिए ऑल द बेस्ट कहा। लेकिन, उस वक्त अविा का मुंड थोड़ा खराब था और उन्होंने काफी रूखे टोन में फरहाना से कह दिया कि आप तो चाहती ही नहीं थी कि मैं आपकी टीम में आऊं। सभी कंटेस्टेंट्स को यह बात सुनकर काफी परेशान हो गई। उन्होंने इंस्टाग्राम पर उस मोमेंट का वीडियो शेयर करते हुए फरहाना को टैग किया और लिखा कि मुझे पता में आपन वो बिहेवियर बिल्कुल पसंद नहीं आया। फरहाना मुझे प्लीज माफ कर दो।

अल्लू अर्जुन ने की डीसी द ब्लडी वैंलेटाइन की जमकर तारीफ

मुंबई। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने डायरेक्टर अरुण माथेश्वरन की फिल्म 'डीसी द ब्लडी वैंलेटाइन' की जमकर तारीफ की है। महेश बाबू के बाद अब अल्लू अर्जुन भी उन सितारों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इस एक्शन थ्रिलर की तारीफ की है। फिल्म देखने के बाद पुष्पा स्टार ने सोशल मीडिया पर इसे तमिल क्लासिक बताया और हर फिल्म प्रेमी से इसे देखने की अपील की। अल्लू अर्जुन ने एक्स पर फिल्म की तारीफ करते हुए लिखा, 'डीसी देसी। यह एक तमिल क्लासिक है। हर फिल्म लवर को इसे जरूर देखना चाहिए। जो लोग इसे समझते हैं, उनके लिए यह कविता है।' एक्टर ने फिल्म की पूरी टीम को बधाई दी।

उन्होंने खास तौर पर डायरेक्टर अरुण माथेश्वरन के काम की तारीफ करते हुए कहा कि फिल्म में उनके काम के लिए उन्हें सबसे ज्यादा सम्मान मिलना चाहिए। अल्लू अर्जुन ने फिल्म के म्यूजिक की भी खूब तारीफ की। उन्होंने अनिरुद्ध रविचंद्र को 'फ्लेसोल्फ्ट मास्टर बूस्टर' बताया। इसके अलावा उन्होंने फिल्म के तकनीकी पक्ष और कलाकारों के काम को भी सराहा। एक्टर ने वामिका गब्बी और फिल्म के लीड एक्टर लोकेश



कनगराज की परफॉर्मेंस की भी तारीफ की। लोकेश को संवोधित करते हुए अल्लू अर्जुन ने उन्हें 'माय डायरेक्टर' कहा और अपना सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम बताया। डीसी द ब्लडी वैंलेटाइन 7 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म में लोकेश कनगराज, वामिका गब्बी, संजना कृष्णमूर्ति, थलाईवासल विजय और बालाजी देवीप्रसाद अहम किरदार में नजर आ रहे हैं। इसका डायरेक्शन अरुण माथेश्वरन ने किया है।

‘टाँक्सिक’ की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला आत्मसम्मान का था : यश

मुंबई। साउथ सुपरस्टार यश इन दिनों अपनी फिल्म 'टाँक्सिक ए फेयरि टेल फॉर योन अप्स' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म की रिलीज को लेकर पहले रवीश्वर सिंह की 'धुरंधर: द रिवेंज' के साथ क्लेश की बात सामने आई थी। अब यश ने इस पूरे मामले पर अपनी राय दी है। फिल्म 'टाँक्सिक' पहले 19 मार्च 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मिडिल ईस्ट में बनी अनिश्चितता के चलते इसकी रिलीज 4 जून कर दी गई। इसके बाद फिल्म की रिलीज फिर टाल दी गई। अब हाल ही में इंडिया टीवी के शो 'आप की अदालत' में यश ने फिल्म की रिलीज टालने और बॉक्स ऑफिस क्लेश को लेकर खुलकर बात की। यश ने साफ कहा कि फिल्म की रिलीज आगे बढ़ाने का फैसला इस डर से नहीं लिया गया कि बॉक्स ऑफिस पर 100 या 200 करोड़ रुपए का नुकसान हो जाएगा। उनके लिए यह फैसला पैसे या अहंकार का नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का था। यश ने कहा कि अगर वह सिर्फ अपनी इमेज बचाने या



किसी को कुछ साबित करने के लिए फिल्म को उसी तारीख पर रिलीज करते, तो वह असली अहंकार होता। उनके लिए सबसे जरूरी यह था कि वह दर्शकों से किया हुआ अपना वादा पूरा कर पा रहे हैं या नहीं। एक्टर ने कहा कि उनका सबसे बड़ा डर फिल्म को लेकर था। अगर उन्हें लगता है कि वह दर्शकों को वह फिल्म नहीं दे पा रहे हैं, जिसका उन्होंने वादा किया था, तो वह पीछे हटने के बजाय आगे बढ़ना पसंद

करेंगे बॉक्स ऑफिस क्लेश को लेकर यश ने यह भी साफ किया कि उन्होंने कभी जानबूझकर किसी दूसरी फिल्म के साथ अपनी फिल्म का क्लेश नहीं किया। उन्होंने कहा, 'जो भी क्लेश आप बोल रहे हैं, उसमें मैं सीधे जाकर कभी क्लेश में नहीं आया। मेरी डेट पहले अनाउंस होती है और उसके बाद अगर कोई फिल्म आती है, तो वो क्लेश हो जाता है। यश ने यह भी कहा कि उन्हें जिंदगी में कुछ खोने का डर नहीं है। फिल्म 'टाँक्सिक' में यश मुख्य भूमिका में हैं। उनके अलावा कियारा आडवाणी, नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रविमणी वसंत जैसी अभिनेत्रियां भी इसमें नजर आएंगी। यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ओटीटी पर लगेगा रोमांस और थ्रिल का छौंक

इस वीक रिलीज होंगी ये धमाकेदार फिल्में और सीरीज

नई दिल्ली। सिनेमाघरों में बंटवारा 1947 सज

गई है। आवापान 2 भी खूब शानदार कलेक्शन जुटा रही है। वहीं, ओटीटी पर भी बीते साप्ताह काफी बहार रही। सोमवार से नया वीक शुरू हो गया है। ओटीटी पर सिनेमा देखने वालों को इस प्लेटफॉर्म की नई फिल्मों और सीरीज का इंतजार होगा।

लैंटर्न

यह एक अमेरिकी सुपरहीरो सीरीज है। डीसी कॉमिक्स के गॉन लैंटर्न किरदारों, हैल जॉर्डन और जॉन स्टीवर्ट पर आधारित यह सीरीज डीसी युनिवर्स की तीसरी टीवी सीरीज है। इसमें अनुभवी लैंटर्न जॉर्डन और नए रिक्रूट स्टीवर्ट को दिखाया गया है, जो धरती पर हुए एक मर्डर की जांच करते हैं। यह जांच एक बड़े रहस्य की ओर ले जाती है। इसे 17 अगस्त से अमेज़ी के अलावा हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में जियो हॉटस्टार पर देखा जा रहा है।

आउटर बैक्स 5

यह लोकप्रिय एडवेंचर सीरीज है। आउटर बैक्स का पांचवां और आखिरी सीजन भी इस वीक की ओटीटी रिलीज में शामिल है। यह 20 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगा। यह इस सीरीज का आखिरी सीजन है, जिसमें कुल 10 एपिसोड होंगे। इसके सभी एपिसोड एक साथ स्ट्रीम किए जाएंगे।



वेलकम टू द जंगल

अक्षय कुमार, जैकलीन, रवीना टंडन, सुनील शेट्टी और अरशद वारसी समेत 30 से अधिक सितारों से सजी यह फिल्म सिनेमाघरों के बाद ओटीटी पर दस्तक देने को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह 21 अगस्त को ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। इसे जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा। हालांकि, मेकर्स की तरफ से अभी कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

सील टीम

यह अमेरिकी सीरीज है, जो सरप्रेस से मरी है। यह नेवी टीम की कहानी पर आधारित है, जो एक खतरनाक मिशन पर निकलती है। इसी के साथ-साथ अपनी निजी जिंदगी की उलझनों को भी सुलझाने की जिम्मेदारी इस टीम पर है। यह सीरीज 18 अगस्त से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

दुकरा के मेरा प्यार सीजन 2

यह बदले की कहानी पर आधारित एक राजनीतिक रोमांटिक थ्रिलर सीरीज है। इस सीरीज के नए एपिसोड हर शुक्रवार को रिलीज होते हैं। यह जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होती है और लंबे वक्त से ट्रेड में है।



प्यार प्रेमा कल्याणम

फिल्म प्यार प्रेमा कल्याणम इस वीक की ओटीटी लिस्ट में शामिल है। इसे 21 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया जाएगा। बता दें कि यह तमिल फिल्म है। यह हिंदी, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में भी उपलब्ध होगी।

जन नायकन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री अभिनेता विजय की यह फिल्म भी इस बार ओटीटी पर दर्शकों को देखने को मिल सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह फिल्म 21 अगस्त से जी5 पर स्ट्रीम होगी। हालांकि, इसकी अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

हाईकोर्ट ने राज्य शासन की मनमानी पर लगाया 10 हजार का जुर्माना , वर्क आर्डर किया बहाल

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा है कि निष्पादित सरकारी अनुबंध को बिना कारण बताओ नोटिस और सुनवाई का अवसर दिए एकतरफा निरस्त नहीं किया जा सकता। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने टीकमगढ़ के सब हेल्थ सेंटरों में हाउसकीपिंग सेवाओं से जुड़े अनुबंध को रद करने का आदेश निरस्त करते हुए वर्क आर्डर और अनुबंध बहाल कर दिया। साथ ही राज्य के संबंधित अधिकारियों को याचिकाकर्ता को 10 हजार रुपये लागत देने के निर्देश दिए । स्काईबुल सिक्वोरिटी सर्विस ओपीसी प्राइवेट लिमिटेड की ओर से यह रिट अपील दायर की गई।

अपीलकर्ता की ओर से अधिवक्ता अमित कुमार सिंह सेंगर ने पक्ष रखा। मामला टीकमगढ़ जिले के सब हेल्थ सेंटरों में हाउसकीपिंग सेवाओं के लिए जारी टेंडर का है। टेंडर प्रक्रिया में दो बोलीदाता पात्र पाए गए और दोनों की दर समान होने पर ड्रा आफ लाट्स से अपीलकर्ता कंपनी का चयन किया गया। 11 फरवरी 2026 को वर्क आर्डर जारी हुआ और 12 फरवरी को औपचारिक अनुबंध निष्पादित किया गया। कंपनी को सात दिन में परफार्मेंस बैंक



गारंटी जमा करनी थी। कंपनी का कहना था कि बैंकिंग पोर्टल में तकनीकी समस्या के कारण वह समय पर गारंटी जमा नहीं कर सकी। उसने 14 फरवरी को आठ दिन की मोहलत मांगते हुए अभ्यावेदन दिया, लेकिन अधिकारियों ने उस पर कोई निर्णय नहीं लिया। इसके बाद 20 फरवरी को वर्क आर्डर और अनुबंध समाप्त कर दिया गया। यह कार्रवाई बिना शो-काज नोटिस और सुनवाई के की गई। हाई कोर्ट ने कहा कि कंपनी ने एक दिन की देरी के बाद बैंक गारंटी जमा की थी और देरी ऐसी प्रकृति की नहीं थी, जो पूरे अनुबंध को समाप्त करने का आधार बने। सक्षम प्राधिकारी को विलंब माफ करने की शक्ति थी और कंपनी के अभ्यावेदन पर विचार किया जाना चाहिए था। कोर्ट ने यह भी कहा कि निष्पादित अनुबंध को रद करने से पहले प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन जरूरी था। हाई कोर्ट ने एकलपीठ का छह जुलाई 2026 का आदेश व 20 फरवरी का समाप्ति आदेश निरस्त करते हुए 11 फरवरी का वर्क आर्डर और 12 फरवरी का अनुबंध बहाल कर दिया। रिट अपील 10 हजार रुपये लागत के साथ मंजूर की गई।

12 किलो 766 ग्राम गांजा बरामद

उड़ीसा से गांजे की खेप लेकर आए 2 तस्कर गिरफ्तार

जबलपुर। उड़ीसा से ट्रेन के जरिए गांजा लाकर जबलपुर में खपाने की तैयारी कर रहे दो युवकों को क्राइम ब्रांच और खमरिया पुलिस की संयुक्त टीम ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 12 किलो 766 ग्राम गांजा, जिसकी कीमत करीब 6 लाख 38 हजार रुपए बताई गई है, बरामद हुआ। गांजा दो बैगों में सात पैकेट बनाकर रखा गया था। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल सुजुकी एक्सिस स्कूटी भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार 18 अगस्त को क्राइम ब्रांच और खमरिया पुलिस की संयुक्त टीम वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान काले रंग की स्कूटी पर सवार दो युवक पुलिस को देखकर अचानक स्कूटी मोड़ने लगे। संदेह होने पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पृछताछ में स्कूटी चालक ने अपना नाम 32 वर्षीय शिवम केशरवानी, निवासी रानीताल लिंक रोड, गंदा फाटक, लार्डगंज और पीछे बैठे युवक ने 31 वर्षीय हर्षित केशरवानी निवासी नारियल गली, नारियल मंडी, बड़ा फुहारा, लार्डगंज बताया।

बैग खोलते ही सामने आया गांजे का जखीरा

पुलिस ने स्कूटी के पैरदान में रखे काले रंग के पिट्टू बैग और नीले रंग के अमेरिकन टूरिस्टर बैग की तलाशी ली तो उनमें सात पैकेट मिले। जांच और तौल में इनसे कुल 12 किलो 766 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसकी अनुमानित कीमत करीब 6 लाख 38 हजार रुपए आंकी गई है।

उड़ीसा से ट्रेन में लेकर आए थे गांजा

पृछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने संबलपुर, उड़ीसा में अज्ञात दुकानदारों से गांजा खरीदा था और उसे बैग में रखकर ट्रेन से जबलपुर लेकर आए थे। इसके बाद स्कूटी से गांजा ले जाया जा रहा था। पुलिस अब गांजे के सप्लायर और शहर में इसकी डिलीवरी लेने वाले लोगों की जानकारी जुटा रही है। आरोपियों के कब्जे से गांजा और परिवहन में इस्तेमाल सुजुकी एक्सिस क्रमांक एमपी 20 जेडव्हाय 5832 जब्त कर थाना खमरिया में धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्जकिया गया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर गांजा तस्करी के नेटवर्क की अन्य कड़ियां खंगाल रही है।

बैलेंस डालने के नाम पर मांगा पासवर्ड-ओटीपी, खाते से निकल गए 40 हजार



जबलपुर। बेलखेड़ा थाना क्षेत्र में एक किसान से मोबाइल पर संपर्क कर बैलेंस डालने के नाम पर पासवर्ड और ओटीपी पूछकर साइबर ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने किसान के खाते से 40 हजार रुपये निकाल लिए। ग्राम नवीन चरगावां निवासी 39 वर्षीय हरिशंकर लोधी ने पुलिस को बताया कि वह खेती-किसानी करता है। उसके एयरटेल पेमेंट बैंक खाते में 8 जुलाई को मकान निर्माण के लिए 40 हजार रुपये की शासकीय राशि आई थी। 17 जुलाई की सुबह करीब 10 बजे उसके मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने खाते में बैलेंस डालने की बात कहते हुए पासवर्ड और ओटीपी मांगा। हरिशंकर ने आरोपी को पासवर्ड और ओटीपी बता दिया। कुछ देर बाद उसके खाते से 40 हजार रुपये निकल गए। धोखाधड़ी का पता चलने पर उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बेलखेड़ा पुलिस ने धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीजन में पहली बार खुले बरगी बांध के 9 गेट



हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचित महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No. : MPHIN/2008/24240

सरकारी अनुबंध को बिना नोटिस एकतरफा निरस्त नहीं किया जा सकता

हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद नहीं लौटाई रिकवरी राशि, अवमानना में नोटिस जारी

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्त ड्रेसर से की गई रिकवरी की राशि वापस करने के आदेश का पालन नहीं होने पर दायर अवमानना याचिका में संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। जस्टिस विशाल मिश्रा की सिंगल बेंच ने यह निर्देश दिया। अवमानना याचिकाकर्ता मंडला निवासी सेवानिवृत्त ड्रेसर दिनेश कुमार पटेल की ओर से अधिवक्ता मोहनलाल शर्मा ने पक्ष रखा। कोर्ट को बताया गया वे 31 अगस्त 2020 को ड्रेसर के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। उनके वेतन निर्धारण में वर्ष 1989 से गलती बताते हुए मूल वेतन 775 रुपये से घटाकर 725 रुपये किया गया और इसके आधार पर 1,84,500 रुपये की रिकवरी निकाली गई। इसके अलावा 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के रूप में 2,86,288 रुपये जोड़कर कुल 4,70,789 रुपये की राशि सेवानिवृत्ति लाभों से वसूलने के निर्देश दिए गए थे। पटेल ने इस कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 जुलाई 2025 को याचिका में पारित आदेश के अनुपालन के लिए उन्होंने 25 जुलाई और 16 सितंबर 2025 को संबधित अधिकारियों को अव्यावेदन दिए। याचिका में कहा गया कि कि कोर्ट ने पहले वसूल की गई राशि तीन माह में लौटाने का निर्देश दिया था और विलंब होने पर छह प्रतिशत ब्याज देने की बात कही थी, लेकिन अब तक मुगतान नहीं किया गया। याचिका में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव सहित अन्य अधिकारियों को प्रतिवादी बनाया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा- अतिक्रमण हटाने से

पहले पूरी कार्रवाई की रिकार्डिंग हो, एनएचआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर को व्यक्तिगत रूप से बुलाकर माफी स्वीकार

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही जमीन पर अतिक्रमण बताकर निर्माण हटाने की कार्रवाई करने के मामले में एनएचआई को महत्वपूर्ण निदेश दिए हैं। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अर्चनंद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने कहा कि याचिकाकर्ता की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की पूरी वीडियोग्राफी कराई जाए और रिकार्डिंग को तीन वर्ष तक सुरक्षित रखा जाए। वहीं पूर्व आदेश के उल्लंघन को लेकर न्यायिक अवमानना की स्थिति बनने पर व्यक्तिगत रूप से तलब किए गए एनएचआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर

संदीप पाटीदार ने कोर्ट में बिना शर्त माफी मांगी, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया। छतरपुर निवासी सुमन नायक एवं उज्जवल नायक की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में बताया गया कि एनएच-34 के निर्माण व चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण का नोटिफिकेशन छह मई 2026 को जारी किया गया था। अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी होने से पहले ही याचिकाकर्ताओं को अतिक्रमणकारी बताते हुए निर्माण हटाने का नोटिस जारी कर दिया गया। नोटिस में जमीन का अधिग्रहण पहले ही हो जाने का उल्लेख था, जबकि याचिकाकर्ताओं को मुआवजा नहीं मिला था।

राड़ी में नाबालिग के पास मिला चाड़ना चाकू स्कूलों के आसपास शोहदों पर पुलिस का शिकंजा



जबलपुर। स्कूल आने-जाने वाली छात्राओं की सुरक्षा को लेकर रांझी पुलिस ने स्कूलों के आसपास सक्रिय शोहदों और संदिग्ध युवकों के खिलाफ निगरानी अभियान तेज कर दिया है। स्कूल लगने और छुट्टी के समय पुलिस लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही है। इसी दौरान पुलिस ने एक नाबालिग को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा। तलाशी लेने पर उसके पास से चाड़ना चाकू बरामद हुआ। रांझी थाना प्रभारी उमेश गोल्हानी ने बताया कि छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस टीम स्कूलों के आसपास लगातार भ्रमण कर रही है। संदिग्ध अवस्था में खड़े या घूमते मिलने वाले युवकों से पूछताछ की जा रही है और समझाइश दी जा रही है। इसके बावजूद संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इसी अभियान के दौरान पुलिस टीम को स्कूल के पास एक नाबालिग संदिग्ध हातगत में घूमता मिला। पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली तो उसके पास चाड़ना चाकू मिला। चाकू बरामद होने पर पुलिस ने उसे जप्त कर नाबालिग को थाने लाया। पुलिस ने मामले में आवश्यक कार्रवाई करते हुए नाबालिग के परिजनों को सूचना दी है। पुलिस का कहना है कि स्कूलों के आसपास छात्राओं को परेशान करने या संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ निगरानी और कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

जबलपुर। बरगी बांध के कैचमेंट एरिया में लगातार हो तेज बारिश के फलस्वरूप से बरगी बांध में पानी की आवक तेजी से बढ़ने के चलते इस सीजन में पहली बार बांध के 9 गेट मंगलवार पूर्वान्ह 11 बजे खोल दिए गए हैं। मंगलवार को बांध का जल स्तर खतरनाक स्तर तक पहुंचने से पूर्व सुबह 11.30 बजे बांध के 9 गेट 0.78 मीटर खोले गए हैं। इन गेटों से 1031 क्यूमैक जल की निकासी की जा रही है। बांध का जलस्तर 421 मीटर पहुंच गया है। बांध में पानी की आवक वर्तमान में 1200 क्यूमैक है और बांध 85 प्रतिशत से अधिक भर गया है। गौरतलब है कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान एवं वर्षा को दृष्टिगत रखते हुए सोमवार रात 8 बजे बांध की स्थिति को देखते हुए बांध प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए मंगलवार सुबह 11 बजे 9 गेट खोलने का फैसला लिया था। बांध का जल स्तर 420.80 पहुंच गया था। नर्मदा नदी के घाटों पर 3 से 4 फुट पानी की बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। परियोजना प्रशासन के अनुसार बांध में पानी की आवक के अनुसार जल की निकासी को कभी भी घटाया अथवा बढ़ाया जा सकता है। परियोजना प्रशासन ने जनसामान्य से नर्मदा के घाटों एवं तटीय इलाकों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन चुनाव

आज उपाध्यक्ष सहित अन्य पदों के मतों की होगी गिनती

जबलपुर। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जबलपुर के वर्ष 2026-28 के चुनाव में अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अधिवक्ता मृगेन्द्र सिंह और सचिव पद पर अधिवक्ता असीम त्रिवेदी निर्वाचित हुए हैं। अध्यक्ष पद पर मृगेन्द्र सिंह ने 799 मत हासिल कर अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी परितोष त्रिवेदी को 49 मतों से शिकस्त दी। वहीं सचिव पद पर असीम त्रिवेदी ने 894 मत प्राप्त किए और योगेश सोनी को 193 मतों से पराजित किया। उपाध्यक्ष सहित अन्य पदों के मतों की गिनती बुधवार को होगी। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव में कुल 3112 मतदाता थे, जिनमें से 2308 अधिवक्ताओं ने मतदान किया था। मंगलवार सुबह

मृगेन्द्र सिंह अध्यक्ष, असीम त्रिवेदी सचिव निर्वाचित



साढ़े दस बजे से मतगणना शुरू हुई। सबसे पहले अध्यक्ष पद के मतों की गिनती की गई। शुरुआती दौर में मृगेन्द्र सिंह और परितोष त्रिवेदी के बीच कांटे का मुकाबला रहा, लेकिन मतगणना आगे बढ़ने के साथ मृगेन्द्र सिंह ने बढ़त मजबूत कर ली और अंततः 49 मतों के अंतर से जीत दर्ज की।

अध्यक्ष पद के परिणाम

मृगेन्द्र सिंह — 799
परितोष त्रिवेदी — 750

संजय वर्मा — 302

एमपी स्टेट बार काउंसिल चुनाव : अब तक 66 प्रत्याशी हुए बाहर

दूसरे राउंड की मतगणना जारी, राकेश सिंह मद्देरिया कोटा पूरा कर निर्वाचित

जबलपुर। एमपी स्टेट बार काउंसिल निर्वाचन-2026 की द्वितीय चरण की मतगणना मंगलवार को भी जारी रही। एलिमिनेशन राउंड के नौवें दिन चार प्रत्याशियों को बाहर कर दिया गया। इसके साथ ही 122 प्रत्याशियों में से अब तक 66 प्रत्याशी एलिमिनेट होकर चुनावी दौड़ से बाहर हो चुके हैं। वहीं इंदौर के राकेश सिंह मद्देरिया आवश्यक कोटा पूरा कर निर्वाचित घोषित हो चुके हैं। निर्वाचन अधिकारी हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश एसके पालो ने बताया कि निर्वाचन में पांच महिला प्रत्याशियों का आरक्षण के आधार पर निवाचित होना तय है। यदि कोई महिला प्रत्याशी मतगणना के दौरान एलिमिनेट भी होती है, तब भी अंतिम पांच महिला प्रत्याशियों की श्रेणी में होने के कारण चुनाव परिणाम में आरक्षण के आधार पर उनका चयन किया जाएगा। एलिमिनेशन की प्रक्रिया के दौरान बाहर हुए प्रत्याशियों के मतपत्रों में दर्ज मतों को निर्वाचन नियमों के अनुसार द्वितीय वरीयता वाले प्रत्याशियों को अंतरित किया जा रहा है। मतों के इस अंतरण से अन्य प्रत्याशियों की स्थिति में लगातार उलटपेटर की संभावना बनी हुई है। इन प्रत्याशियों की बढ़त बरकरार : मतों के अंतरण के बीच विवेक सिंह (इंदौर), अखिलेश कुमार स्वयंसेना (इंदौर), आरके सिंह सेनी (जबलपुर), वरेंद्र कुमार जैन (इंदौर) और संदीप मेहता (उज्जैन) लगातार अपनी बढ़त बनाए हुए हैं। महिला प्रत्याशियों में अन्नू पटेल (सिंगरौली), प्रवीण तिवारी (रीवा) और प्रतीका पाठक (ग्वालियर) भी चुनावी दौड़ में बनी हुई हैं। द्वितीय चरण की मतगणना आगे बढ़ने के साथ प्रत्याशियों की स्थिति और स्पष्ट होने की उम्मीद है।

भूमि अधिग्रहण की वीडियोग्राफी कर तीन साल तक सुरक्षित रखें

मुआवजे का चेक भी हो गया था डिसआनर

याचिकाकर्ताओं की भूमि के एक हिस्से के मुआवजे के लिए एक्सिस बैंक का चेक जारी किया गया था, लेकिन बैंक आफ महाराष्ट्र के मेमो के जरिए उक्त चेक डिसआनर हो गया। सुनवाई के दौरान युगलपीठ ने इस स्थिति पर गंभीर टिप्पणी करते हुए पूछा था कि यदि एनएचआई के पास पैसे नहीं हैं तो वह सड़कें क्यों बना रहा है। कोर्ट ने इस संबंध में एनएचआई से हलफनामा भी मांगा था।

पत्र में खसरा नंबर नहीं बताने पर जताई नाराजगी

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से एनएचआई के प्रोजेक्ट डायरेक्टर का एक पत्र कोर्ट के समक्ष पेश किया गया। इसमें यह कहा गया था कि हाई कोर्ट ने किस जमीन के संबंध में आदेश जारी किया है, इसका उल्लेख नहीं है। युगलपीठ ने पाया कि पूर्व में भूमि अधिग्रहण के संबंध में याचिकाकर्ताओं को जारी पत्र में संबंधित जमीन के खसरा नंबर का स्पष्ट उल्लेख किया

गया था। कोर्ट ने माना कि प्रोजेक्ट डायरेक्टर की ओर से की गई कार्रवाई पूर्व में जारी अंतरिम आदेश का स्पष्ट उल्लंघन प्रतीत होती है और उनके विरुद्ध न्यायिक अवमानना के तत्त्व मौजूद हैं। इसी आधार पर उन्हें व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर स्पष्टीकरण देने के निर्देश दिए गए थे।

माफी स्वीकार, मुआवजा देने की जानकारी

मंगलवार को हुई सुनवाई में प्रोजेक्ट डायरेक्टर संदीप पाटीदार व्यक्तिगत रूप से हाई कोर्ट में उपस्थित हुए और बिना शर्त माफी मांगी। उनकी ओर से बताया गया कि पूर्व में किए गए भूमि अधिावहण का मुआवजा याचिकाकर्ताओं को प्रदान कर दिया गया है। युगलपीठ ने माफी स्वीकार करते हुए अवमानना की कार्यवाही का निराकरण कर दिया और भूमि से संबंधित कार्रवाई की वीडियोग्राफी कर उसे तीन वर्ष तक सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता अतुल चौधरी ने पैरवी की।

24x7 Helpline: 7876877777
www.drorthooil.com

जोड़ों के दर्द की बेजोड़ दवा

Dr. Juneja's

डा.ऑर्थो

Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल जोड़ों के दर्द को जड़ से कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें।

मिलते-जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

Clinically Tested*

Helpful Ayurvedic Medicine for Knee Pain, Shoulder Pain, Neck Pain, Back Pain, Wrist Pain, etc.